MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-37 ❖ मुंबई ❖ रविवार 4 से 10 सितंबर 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

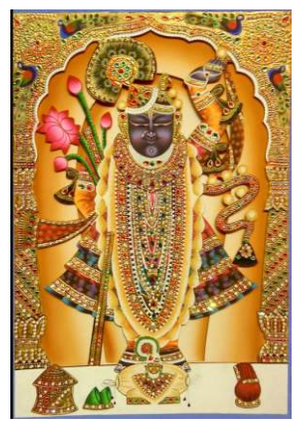

पेज 3
महाराष्ट्र के पूर्व CM पृथ्वीराज चव्हाण के खिलाफ हो कार्रवाई

पेज 5
हमने 70 प्रतिशत चुनावी वादे पूरे किए हैं: सीएम स्टालिन

पेज 7
पुराने अंदाज में दिखे अक्षय कुमार

पेज 8
भाजपा कार्यकताओं से बोले केजरीवाल, पेमेंट वहीं से लो, काम हमारे लिए करो

एक नजर

केरल के कान्वेंट में नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण

तिरुवनंतपुरम। दक्षिण केरल में एक कान्वेंट में घुसकर चार नाबालिग लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ग्रामीण इलाके में स्थित 'ननरी' (ननों के रहने की जगह) के पास पुलिस के रात्रि गश्ती दल ने एक दिन पहले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान दोनों के धार्मिक संस्थान में घुसने के मकसद का खुलासा हुआ। आरोपियों से प्राप्त जानकारी के आधार पर एक महिला पुलिस अधिकारी ने कान्वेंट में जाकर नाबालिग लड़कियों का बयान दर्ज किया जिसमें पता चला कि उनका पिछले कुछ दिनों से यौन शोषण किया जा रहा था। पीड़िताओं के बयान के आधार पर दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

जम्मू कश्मीर में 40 मिनट में दो बार भूकंप के झटके

जम्मू। जम्मू कश्मीर में शुक्रवार को 3.4 और 2.8 तीव्रता के दो भूकंप आए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 3.4 तीव्रता का भूकंप रियासी जिले के कटरा इलाके में आया जबकि दूसरा डोडा जिले में महसूस किया गया। अधिकारियों ने कहा कि जानमाल के किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि पहला भूकंप तड़के तीन बजकर 28 मिनट पर आया जिसका केंद्र जम्मू क्षेत्र के कटरा से 62 किलोमीटर उत्तर पूर्व में जमीन के नीचे पांच किलोमीटर की गहराई में था। डोडा जिले में तड़के चार बजकर सात मिनट पर आए भूकंप का केंद्र जम्मू क्षेत्र में डोडा से 10 किलोमीटर उत्तर में जमीन के नीचे दस किलोमीटर की गहराई में था।

एक्टिव केस घटकर 90,707 हुए

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 10,256 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,43,89,176 हो गई, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 90,707 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 68 और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,27,556 हो गई। इन 68 मामलों में वे 29 लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनः मिलान करते हुए केरल ने संक्रमण से जान गंवाने वालों की सूची में डाले हैं।

शिवाजी पार्क में दशहरा रैली के लिए शिवसेना के दोनों गुटों का दावा

मुंबई: शिवाजी पार्क में 5 अक्टूबर को दशहरा रैली को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट आमने-सामने आ गए हैं। शिंदे गुट के माहिम से विधायक सदा सरवणकर ने शिवाजी पार्क में दशहरा रैली के लिए 1 सितंबर को बीएमसी (BMC) को आवेदन किया। जबकि उद्धव ठाकरे गुट के सांसद अनिल देसाई 22 अगस्त को ही दशहरा रैली के लिए आवेदन दे चुके हैं। बीएमसी जी नॉर्थ वार्ड के असिस्टेंट कमिश्नर प्रशांत सपकाले ने बताया कि शिवाजी पार्क में किसकी रैली होगी, इस पर 10 सितंबर के बाद निर्णय ले लिया जाएगा। जो भी निर्णय होगा नियम के तहत होगा। शिवसेना की पहचान है दशहरा रैली शिंदे गुट के विधायक सरवणकर ने कहा कि मैं हर साल दशहरा रैली के लिए बीएमसी में अप्लाई करता हूं, उसी तरह इस साल भी आवेदन दिया है। मैंने शिवसेना की तरफ से आवेदन किया है। वहीं ठाकरे गुट की प्रवक्ता एवं पूर्व मेयर किशोरी पेडणेकर ने कहा कि दशहरा रैली शिवसेना की परंपरा है। रैली की परमिशन हमें ही मिलेगी। शिंदे गुट पर निशाना साधते हुए पेडणेकर ने कहा कि वे कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

शिंदे सरकार पर संकट के बादल!

कुछ समर्थक विधायक 'मातोश्री' लौटे तो हो जाएगा खेल

मुंबई: महाराष्ट्र की शिंदे सरकार को बने हुए 2 महीने से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है। हाल में हुए मंत्रिमंडल विस्तार में शिंदे गुट के महज 9 विधायकों को ही मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है। ऐसे में, अभी भी एकनाथ शिंदे के समर्थक 31 विधायक अपने लिए मंत्री पद की उम्मीद लगाए बैठे हैं। लेकिन शिंदे के लिए सब को मंत्री पद दिला पाना काफी मुश्किल है। विधायक भी इस बात को महसूस कर रहे हैं। जिसकी वजह से उनके अंदर नाराजगी भी देखी जा रही है। इसकी वजह से महाराष्ट्र के सियासी गलियारों में इस बात की भी चर्चा शुरू हो गई है कि एकनाथ शिंदे के साथ आए कई विधायक अब वापस उद्धव ठाकरे के पास लौट सकते हैं। यदि ऐसा हुआ तो एकनाथ शिंदे की मुश्किलें बढ़ना तय है। चर्चा यह भी है कि विधायकों की नाराजगी के की वजह से एकनाथ शिंदे कैबिनेट का दूसरा विस्तार भी नहीं कर पा रहे हैं। शिंदे जानते हैं कि सब को मंत्री पद देना संभव नहीं है। वहीं उनकी सहयोगी और महाराष्ट्र की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी के भी विधायक अपने लिए मंत्री पद का सपना संजोए बैठे हैं। ऐसे में शिंदे गुट के विधायकों को कितनी तवज्जो मिल पाएगी। इस बात को भी शिंदे बहू भी समझते हैं। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग के समक्ष भी उद्धव ठाकरे गुट द्वारा शिंदे गुट को चुनौती दी गई है।

एक-एक विधायक जरूरी

शिंदे गुट का दावा है कि उनके पास दो तिहाई बहुमत यानी 37 शिवसेना विधायकों का समर्थन है। हालांकि शिंदे यह दावा करते रहे हैं कि उनके पास शिवसेना के 40 और 10 निर्दलीय विधायकों का समर्थन है। यदि 40 में से चार विधायक भी बगावत करके उद्धव ठाकरे के खेमे में चले जाते हैं तो एकनाथ शिंदे की मुश्किलें बढ़ जाएंगी और वह दलबदल कानून के शिकंजे में फंस सकते हैं। आपको बता दें कि शिवसेना के कुल 54 विधायक हैं। ऐसे में दो तिहाई बहुमत यानी 37 विधायकों का समर्थन बनाए रखना एकनाथ शिंदे के लिए बेहद जरूरी है। लिहाजा एकनाथ शिंदे लगातार अपने विधायकों को समझाने और मनाने का प्रयास कर रहे हैं। ताकि उनकी सरकार पर किसी तरह का खतरा पैदा न होने पाए।

पाकिस्तान को पत्र लिखेगी मुंबई पुलिस, वॉट्सऐप धमकी केस में बनेगा डोजियर

मुंबई: पिछले पखवाड़े मुंबई ट्रैफिक पुलिस के हेल्पलाइन नंबर पर धमकी भरे वॉट्सऐप मैसेज आए थे। हालांकि मुंबई पुलिस कमिश्नर विवेक फणसलकर ने उसी दिन एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में माना था कि प्रारंभिक जांच से ऐसा प्रतीत होता है कि यह मैसेज पाकिस्तान के कोड वाले मोबाइल नंबर से भेजे गए हैं। अब उस केस में मुंबई क्राइम ब्रांच ने पर्याप्त एविडेंस जुटा लिए हैं कि यह नंबर वाकई पाकिस्तान का ही है, जिसमें प्रॉक्सी सर्वर का इस्तेमाल किया गया था।

इन एविडेंस को मुंबई क्राइम ब्रांच अब पाकिस्तान को भेजने वाली है और उससे इन सबूतों के संबंध में जवाब मांगने वाली है।

जो धमकी भरे वॉट्सऐप मैसेज किए गए थे, उनमें मुंबई में 26/11 जैसा हमला दोहराने की बात कही गई थी।

क्या होता है डोजियर?

मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने एनबीटी को बताया कि 26/11 हमले के बाद भी हमने पाकिस्तान को इस तरह के आठ लेटर्स भेजे थे। साथ ही इस हमले में पाकिस्तान के शामिल होने के तमाम एविडेंस भी। इस अधिकारी के अनुसार, कानून की भाषा में इसे डोजियर कहा जाता है। इसकी भी एक प्रक्रिया होती है। मुंबई पुलिस सीधे पाकिस्तान को एविडेंस नहीं भेज सकती।

जब पाकिस्तान ने झूठ बोला

मुंबई पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, 26/11 के हमले के बाद भारत द्वारा पूछे गए हर लेटर का पाकिस्तान ने जवाब तो दिया, लेकिन सभी पत्रों में साफ-साफ झूठ भी बोला। लिखा कि मुंबई हमले में पाकिस्तान की कोई भूमिका नहीं है। लेकिन मुकदमे के दौरान मुंबई पुलिस ने पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान की भूमिका के सारे सबूत रख दिए। कई सरगनाओं के पाकिस्तान में होने के डिजिटल एविडेंस दिए।

दाऊद के खिलाफ लादेन जैसा ऑपरेशन, भारत के लिए कितना आसान?

नई दिल्ली : 1993 मुंबई ब्लास्ट के मुख्य अभियुक्त और भारत के सबसे पुराने मोस्टवॉन्टेड क्रिमिनल दाऊद इब्राहिम को पकड़ने और उसके बारे में जानकारी हासिल करने की कवायद नए सिरे से शुरू हो रही है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने उसकी सूंचना देने वाले को 25 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। दाऊद के अलावा अनीस इब्राहिम, छोटा शकील, जावेद चिकना और टाइगर मेमन पर भी नए सिरे से इनाम का ऐलान किया गया है। लेकिन ऐसा पहली बार नहीं है जब देश के लिए सबसे खतरनाक नाम बन चुके इस शख्स को पकड़ने की कोशिश हुई है। पहले भी कई मौकों पर इसकी पहल की गई, लेकिन तकनीकी दिक्कतों और दूसरे कठिन हालात के कारण नतीजे नहीं निकल पाए। 2014 में बीजेपी सरकार के सत्ता में आने के बाद दाऊद को दबोचने का भरोसा दिलाया गया था, लेकिन सत्ता मिलने के 8 बरस बाद भी अभी तक सरकार को कोई सफलता नहीं मिली है।

गणेशोत्सव की आड़ में राजनीति ! यह भाजपा का बचपना आदित्य ठाकरे का सीधा तंज

मुंबई, महाराष्ट्र में गणेशोत्सव की आड़ में राजनीति करने का भाजपा प्रयास कर रही है, यह उनका बचपना है। दो वर्षों के बाद आम लोग त्योहार मना रहे हैं। इसलिए राजनीति को बगल में रखकर लोगों को त्योहार का आनंद लेने दो, इन शब्दों में शिवसेना नेता व विधायक आदित्य ठाकरे ने कल भाजपा को आड़े हाथों लिया।

शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने कल कुलाबा स्थित 'फोर्ट का राजा' व चंदनवाड़ी स्थित सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल को भेंट देने के बाद मीडिया से संवाद साधा। इस दौरान उन्होंने कहा, 'जो कोई भी लोग राजनीति कर रहे हैं, यह उनका बचपना है। इतनी अधिक राजनीति हुई तो लोगों को राजनीति से बोरियत महसूस होने लगेगी। राजनीति को बगल में रखकर लोगों को त्योहार का आनंद लेने दो', ऐसा आदित्य ठाकरे ने कहा। मनसे के स्थानीय पदाधिकारियों द्वारा कमाठीपुरा आठवीं गल्ली परिसर में ५७ वर्षीय महिला की पिटाई के मामले से संबंधित सवाल का जवाब देते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा कि 'किसी भी पार्टी पदाधिकारी-कार्यकर्ता द्वारा ऐसा करना उचित नहीं है। किसी भी महिला पर हाथ उठाना योग्य नहीं। उन पर कड़क कार्रवाई होनी ही चाहिए और यह कार्रवाई लोगों को नजर आनी चाहिए।'

महाराष्ट्र कांग्रेस में बड़ी फूट के आसार

दो पूर्व मंत्री समेत कुछ विधायक बीजेपी जॉइन कर सकते हैं

- महाराष्ट्र कांग्रेस को लग सकता है बड़ा झटका
- कई विधायक और दो पूर्व मंत्री ले सकते हैं बीजेपी जॉइन कर सकते हैं
- इसके पहले भी ऐसी खबरें सामने आ चुकी है
- विधानपरिषद चुनाव में कांग्रेस नेताओं ने बीजेपी को दिया था वोट

मुंबई: महाराष्ट्र कांग्रेस को आने वाले दिनों में एक बड़ा झटका लग सकता है। सूत्रों की माने तो महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके एक नेता जल्दी अक्टूबर में होने वाले शिंदे-फडणवीस सरकार के अगले कैबिनेट विस्तार में मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। यह कहा जा रहा है कि कुछ कांग्रेस विधायक भी बीजेपी (BJP) में शामिल हो सकते हैं। बता दें कि विधानपरिषद चुनाव में 7 कांग्रेस विधायकों ने बीजेपी को वोट दिया था।

जिसकी वजह से कांग्रेस उम्मीदवार चंद्रकांत हंडोरे को हार का सामना करना पड़ा था। वहीं शिंदे- फडणवीस सरकार के फ्लोर टेस्ट(बहुमत परीक्षण) के दौरान भी कांग्रेस पार्टी के दस विधायक भी सदन में गैर हाजिर थे। कुछ दिन पहले भी ऐसी ही खबरें सामने आई थी कि महाराष्ट्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री असलम शेख कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं। दरअसल उन्होंने महाराष्ट्र राज्य के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी।

यह मुलाकात फडणवीस के सागर बंगले पर हुई थी। जिसके बाद से ही अटकलों का बाजार गर्म हो गया था। बात यहीं नहीं रुकी थी पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक चव्हाण को लेकर भी कयास लगाए जा रहे थे कि वह भी बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। हालांकि उन्होंने खुद इस बात का खंडन करते हुए कहा था कि वह कांग्रेस में ही रहेंगे।

असलम शेख पर 1000 करोड़ के घोटाले का आरोप

दरअसल असलम शेख भी ईडी के राडार पर हैं। दरअसल उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र मलाड के मढ़ मार्वे इलाके में अवैध रूप से एक हजार करोड़ रुपए के स्टूडियो स्टूडियो बनवाये हैं। शेख पर यह आरोप लगा कि उन्होंने सीआरजेड के नियमों का उल्लंघन करके दो दर्जन से अधिक फिल्म स्टूडियो को गैरकानूनी तरीके से बनवाएं हैं। इस बाबत बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने इन अवैध स्टूडियोज पर कार्रवाई करने के लिए वन मंत्रालय को पत्र लिखा था।

आलाकमान से हुई थी क्रॉस वोटिंग की शिकायत

विधान परिषद चुनाव में हुई क्रॉस वोटिंग की शिकायत महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने आलाकमान से इस बात की गुजारिश भी की थी कि क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाईवकी जाए। ताकि पार्टी के अन्य विधायकों में एक संदेश जाए।

अब हाथ को हथियाने की साजिश! कांग्रेसी विधायकों को तोड़ने में जुटी भाजपा

मुंबई, दिल्ली और झारखंड में `ऑपरेशन लोटस' का प्रयास असफल होने के बाद भाजपा यानी कमलाबाई की बुरी नजर अब कांग्रेस पर है। पार्टी की अंदरूनी नाराजगी का फायदा उठाते हुए महाराष्ट्र में कांग्रेस में फूट डालने की कोशिश भाजपा की ओर से की जा रही है। इसी बीच उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण की हुई मुलाकात को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है कि कांग्रेस में जल्द फूट पड़ सकती है। कमलाबाई यानी भाजपा अब `हाथ' सफाई करते हुए कांग्रेस विधायकों को तोड़ेगी। महाराष्ट्र में तोड़फोड़ की राजनीति कर सत्ता में आने के बाद भाजपा ने विपक्षी दल के नाराज विधायकों को गले लगाने की कोशिश शुरू कर दी है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस के एक बड़े नेता संपर्क में हैं और जल्द अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो जाएंगे। राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि कांग्रेस के कुछ विधायक और पूर्व मंत्री भी भाजपा के संपर्क में हैं। इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मुलाकात की जानकारी सामने आई है। भाजपा नेता आशीष कुलकर्णी के आवास पर इन दोनों की १५ से २० मिनट तक चर्चा हुई।

स्वतंत्र विदेश नीति

इसे भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का कमाल कहिए या मौजूदा अंतरराष्ट्रीय समीकरणों की जटिलता कि रूस में गुरुवार से शुरू हुए युद्धाभ्यास में अन्य देशों के अलावा भारत और चीन के सैनिक भी शामिल हैं। चीन के साथ पूर्वी लद्दाख सीमा का मसला सुलझना तो दूर, अभी उसे सुलझाने को लेकर कोई समझ भी दोनों देशों में नहीं बनी है। उधर, यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका सहित तमाम यूरोपीय देशों की रूस से नाराजगी जगजाहिर है। अमेरिका ने सीधे तौर पर कोई आपत्ति भले न की हो, लेकिन परोक्ष रूप से अपनी नाखुशी जाहिर कर दी है। उसके विदेश विभाग के प्रवक्ता ने इस बारे में सवाल पूछे जाने पर कहा कि यूक्रेन युद्ध के जारी रहते हुए अगर कोई भी देश रूस के साथ सैन्य अभ्यास में शामिल होता है तो अमेरिका के लिए चिंता की बात होगी। मगर छुईमुई बने रहते हुए स्वतंत्र विदेश नीति कायम नहीं रखी जा सकती। भारत ने हमेशा सबकी चिंताओं का सम्मान करते हुए अपने हितों के अनुरूप फैसले करने की नीति अख्तियार की है। यूक्रेन युद्ध के बाद की कठिन स्थितियों में भी उसने संतुलन बनाए रखा है।

अमेरिका से अपने रिश्तों को प्राथमिकता देते हुए और यूक्रेन में यथाशीघ्र शांति स्थापना को लेकर अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखते हुए भी भारत ने रूस के साथ अपने संबंधों पर आंच नहीं आने दी। रूस से हुए हथियार सौदों पर तो उसने अमल किया ही, उससे तेल लेने के सवाल पर भी किसी तरह का दबाव स्वीकार नहीं किया। लेकिन इसका यह मतलब भी नहीं कि उसने पश्चिम के अपने मित्र देशों की भावनाओं का खयाल नहीं रखा। रूस में हो रहे इस युद्धाभ्यास को ही लें तो भारत ने इसे पूरी तरह से लो-प्रोफाइल मामला बनाए रखा। यहां तक कि विदेश मंत्रालय की तरफ से इसे लेकर कोई औपचारिक बयान भी नहीं जारी किया गया। दूसरी बात यह कि अमेरिका के साथ सैन्य सहयोग का अजेंडा भी किसी रूप में पीछे नहीं पड़ने दिया गया है। अगले ही महीने यानी अक्टूबर के मध्य में अमेरिका और भारत का एक संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास होना है जिसकी लोकेशन भारत-चीन की विवादित सीमा से 100 किलोमीटर अंदर ही रहने की बात है। फिर भी रूस में हो रहे इस युद्धाभ्यास में भारत की शिरकत को सिर्फ रूस और अमेरिकी संदर्भों में देखना उपयुक्त नहीं होगा। इस मामले का एक अहम पहलू चीन और रूस के बीच कथित तौर पर बढ़ती करीबी भी है। यूक्रेन युद्ध के लंबा खिंचते जाने का एक परिणाम यह भी हुआ है कि रूस की साख पर सवाल उठने लगे हैं। कहा जा रहा है कि इस युद्ध और इसके कारण लगी पाबंदियों के चलते रूस कमजोर और धीरे-धीरे चीन पर निर्भर होता जा रहा है। यह धारणा सही हो या न हो, भारत और रूस के करीबी रिश्तों की गरमाहट का अहसास बने रहना न केवल इन दोनों देशों के लिए बल्कि बाकी पूरी दुनिया के दीर्घकालिक हितों के लिए भी जरूरी है।

गोर्बाचोफ याद रहेंगे

किरीट ए. चावड़ा

सोवियत संघ के पूर्व राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचोफ हालिया इतिहास के ऐसे नेता थे, जिन्होंने दुनिया को संभवत: सबसे ज्यादा निर्णायक रूप में प्रभावित किया। 1985 से 1991 तक के कार्यकाल के दौरान अपनाई गई उनकी नीतियों की बदौलत दुनिया की तत्कालीन दो महाशक्तियां- अमेरिका और सोवियत संघ- करीब आईं। उनके बीच विश्वास का रिश्ता बना, जिससे शीत युद्ध से दुनिया को मुक्ति मिली। हालांकि इसके साथ ही यह भी हुआ कि समूचा ईस्ट ब्लॉक या कहें कम्युनिस्ट ब्लॉक सोवियत संघ के प्रभाव के बाहर चला गया और खुद सोवियत संघ भी बिखर कर 15 छोटे-बड़े देशों में बंट गया। आश्चर्य नहीं कि गोर्बाचोफ को दुनिया दो बिलकुल अलग रूपों में याद करती है। पश्चिमी देशों के लिए वह महान मूल्यों के वाहक उदार नेता रहे हैं। उन्होंने अपने देश में जारी लौह आवरण (आयरन कर्टेन) की नीति की जगह ग्लासनोस्त (खुलापन) और पेरेस्त्रोइका (पुनर्गठन) को बढ़ावा दिया। वह फ्री प्रेस के समर्थक थे। उनके विचार और नारे केवल दिखावे के लिए नहीं होते थे। वह इन विचारों और नारों को अमल में लाते थे। यही वजह रही कि उनके कार्यकाल के दौरान इन नीतियों के अनुरूप उठाए गए कदमों ने सोवियत संघ के अंदर और बाहर ठोस बदलाव लाने शुरू किए। अमेरिका और सोवियत संघ के

बीच का जो रिश्ता तनाव और अविश्वास की इंतिहा के लिए जाना जाता था, गोर्बाचोफ के कार्यकाल में उसकी बर्फ पिघलनी शुरू हुई। दोनों देशों में शीर्ष स्तर पर इस तरह का विश्वास बना कि परमाणु हथियारों की होड़ से त्रस्त दुनिया ने इन हथियारों में कटौती होती देखी। इतना ही नहीं, 1989 में जब बर्लिन की दीवार गिरने की ऐतिहासिक घटना हुई तब सबके मन में आशंका थी कि सोवियत संघ सशस्त्र दखल दे सकता है। लेकिन गोर्बाचोफ ने सेना को रोके रखते हुए इन आशंकाओं को गलत साबित कर दिया। इन्हीं वजहों से 1990 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से भी नवाजा गया। लेकिन दिलचस्प है कि इन्हीं वजहों से वह अपने देश में अलोकप्रिय भी होते गए। वहां बाद की पीढ़ियों ने उन्हें ऐसे नेता के रूप में देखा, जिन्होंने विश्व पटल पर अपने देश की प्रभावी भूमिका का अंत कर दिया। रूस के मौजूदा राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन भी उन लोगों में हैं, जो रूस को गोर्बाचोफ के कार्यकाल के पहले वाला गौरव दिलाना चाहते हैं।

बहरहाल, यह अक्सर देखने में आया है कि किसी खास देश को महान बनाने वाली नीतियां बाकी दुनिया के लिए मुसीबत का सबब भी बन जाती हैं। इसका ताजा उदाहरण यूक्रेन युद्ध के रूप में सबके सामने है। जाहिर है, आज जब एक बार फिर दुनिया में तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका जताई जा रही है और बिल्कुल पुराने रूप में नहीं, लेकिन शीत युद्ध जैसे हालात बनने के आसार फिर से दिखाई देने लगे हैं तो गोर्बाचोफ जैसे किसी कद्दावर वैश्विक नेता की कमी जरूर खलेगी, जो दुनिया को सिर्फ अपने देश के संकीर्ण हितों तक सीमित नजरिए से न देखता हो।

चीन की चुनौतियों से यूं निपट सकता है भारत

गणेश पाण्डेय

गलवान संघर्ष को दो साल से कुछ ज्यादा अरसा हुआ है। तब से भारत-चीन रिश्तों में काफी गिरावट आई है और ये लगातार निचले स्तर पर ही बने हुए हैं। साल 2013 में देपसांग, 2014 में चुमार और 2017 में डोकलाम में भारतीय सेना और पीएलए के बीच हुए टकरावों से अलग है गलवान। उन टकरावों के बाद भारत-चीन के रिश्ते पुरानी अवस्था में लौट आए थे। लेकिन 2020 की गर्मियों में जो कुछ गलवान घाटी में हुआ, वह पहले की घटनाओं से एकदम अलग था। पहले वाले टकरावों की प्रकृति दुर्घटनात्मक थी, जबकि गलवान में चीनी पक्ष का पूरा अभियान सुनियोजित, पूर्वनिर्धारित और सुविचारित था। इस बार दोनों तरफ से शामिल सैनिकों की संख्या पिछले मामलों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। इस बार चीन करीब दो डिविजन यानी 50,000 से 60,000 के बीच सैनिक एलएसी पर ले आया है, जिसके जवाब में भारत ने भी लगभग उतनी ही संख्या में सैनिक तैनात किए हुए हैं।

भारत-चीन सीमा क्षेत्र में इतनी बड़ी तादाद में सैनिक लाकर पीएलए ने अब तक के सभी समझौतों का उल्लंघन कर दिया।

सभी समझौतों के शुरुआती हिस्से में कहा गया है कि कोई भी पक्ष दूसरे पक्ष को इत्तिला दिए बगैर सीमा पर सेना इकट्ठा नहीं करेगा।

इस तरह पूर्वी लद्दाख में दो डिविजन लाकर चीन ने उन समझौतों को तार-तार कर दिया।

भारतीय सेना ने चीन की शरारत का जवाब देते हुए जल्द ही उतनी ही संख्या में अपनी सेना लाकर एक सराहनीय काम किया। ऐसा करके उसने यथास्थिति बदलने की चीन की कोशिशों पर रोक लगा दी। इससे ऐसी राय बनी कि चीन ने अपने कुछ उद्देश्य भले साध लिए हों, लेकिन वह अपने सभी लक्ष्यों को हासिल करने में सफल नहीं हुआ। लेकिन इसी बिंदु पर यह अहम सवाल भी सामने आता है कि चीन ने जो किया, उसके पीछे आखिर उसका मकसद क्या था? उसने क्यों किया ऐसा जबकि अनौपचारिक शिखर बैठकों का सिलसिला चल ही रहा था? देखा जाए तो इसकी दो वजहें थीं- एक सामरिक और दूसरी रणनीतिक।

समारिक वजह यह थी कि चीन चाहता था, जिन क्षेत्रों पर वह दावा कर रहा है, उन पर उसका वास्तविक नियंत्रण स्थापित हो जाए। इसके अलावा कुछ क्षेत्रों पर दोनों देशों का दावा था और दोनों सेनाएं वहां पेट्रोलिंग किया करती थीं, उसे भी वह बंद करवाना चाहता था। ये उद्देश्य उसने कम से कम पूर्वी लद्दाख के कुछ सेक्टरों में हासिल कर लिए।

रणनीतिक मकसद ज्यादा महत्वपूर्ण था। वह भारत और दुनिया के दूसरे देशों को दिखाना चाहता था कि एशिया में चीन का वर्चस्व है। दुनिया के दूसरे हिस्सों में अमेरिका के वर्चस्व को सफलतापूर्वक चुनौती देने के लिए यह संदेश देना जरूरी था।

लद्दाख में समान संख्या में सेना भेज कर भारत ने संकेत दे दिया कि वह पूरी दुनिया तो दूर, एशिया में भी चीन के दबदबे को स्वीकार नहीं करता। जाहिर है, भारत का यह संदेश चीन को स्वीकार नहीं हो सकता। इसलिए हमें पीएलए की ओर से और एक्शन की प्रबल संभावना को स्वीकार करना चाहिए। हमें इन स्थितियों के लिए तैयार रहने की जरूरत है। इसीलिए भारत को अपने रक्षा खर्च में बढ़ोतरी करने की जरूरत है, खासकर अगले तीन से वर्षों के दौरान।

भारत पूर्वी लद्दाख में यथास्थिति में कोई बदलाव स्वीकार नहीं कर सकता। इसलिए उसने यह स्टैंड लिया है कि अगर सीमा पर शांति नहीं है तो बाकी मामलों में भारत-चीन के रिश्ते फलते-फूलते नहीं रह सकते 2020 की गर्मियों से पहले की तरह। हालांकि व्यावहारिक रुख अपनाते हुए हमने दोनों देशों के बीच व्यापार बंद नहीं किया, लेकिन पड़ोसी देशों के प्रति एफडीआई नियमों में बदलाव लाकर, 5जी की प्रक्रिया से चीनी कंपनियों को दूर रखकर और चीनी ऐप्स बैन करने का फैसला लेकर अपनी अप्रसन्नता जाहिर कर ही दी। अगर हमारी उत्तरी सीमा पर हालात ऐसे ही बने रहते हैं तो हमें और भी कदम उठाने होंगे। उस स्थिति में द्विपक्षीय रिश्ते और बिगड़ेंगे।

चीन चाहता है कि सीमा के सवाल को अलग रख दिया जाए। वह इस बात पर जोर दे रहा है कि हम पहले की तरह ही रिश्तों को लेकर आगे बढ़ें। जाहिर है, उसकी कोशिश है कि पीएलए ने एलएसी पर जो किया है, उसे भारत स्वीकार कर ले। चीनी विदेश मंत्री वांग यी की कुछ हफ्ते पहले हुई दिल्ली यात्रा के पीछे मकसद भारत का मूड भांपना ही था। उन्हें साफ-साफ बता दिया गया कि हम अपना रुख नहीं बदलने वाले।

क्या हम यह उम्मीद कर सकते हैं कि चीन पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर अपनी सेना वापस ले जाकर तनाव कम करेगा?

कुछ सेक्टरों से सेना को हटाया गया है, लेकिन लद्दाख सीमा के सभी सेक्टरों से नहीं।

इससे भी बड़ी बात यह कि चीन ने अभी तक तनाव कम करने की इच्छा का कोई संकेत नहीं दिया है।

इसकी वजह से कुछ जानकार कहने लगे हैं कि चीन के साथ लगी एलएसी पाकिस्तान के साथ लगी एलओसी जैसी हो गई है। यह स्थिति बताने का अच्छा तरीका है।

सवाल है कि अब भारत क्या करेगा? हमें रणनीतिक तौर पर धैर्य रखते हुए अगले दो दशकों के दौरान अपनी ताकत बढ़ाते रहने पर ध्यान देना होगा। कुछ वर्षों के अंदर जीडीपी में तेज बढ़ोतरी दोनों देशों के बीच के फासले को कम कर देगी।

तात्कालिक तौर पर चीन की शक्ति को संतुलित करने के लिए हमें जापान, फ्रांस, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और अन्य समान सोच वाले देशों के साथ सामरिक साझेदारी मजबूत करनी चाहिए। यह भारत के लिए चीनी चुनौतियों से निपटने का उपाय है।

दलितों से ऐतिहासिक ठगी है बहुजन आंदोलन

भूपेन्द्र पटेल

जालौर में कथित तौर पर मटके से पानी पीने के कारण हुई इंद्र कुमार मेघवाल की हत्या की खबर मीडिया में खूब रही। मगर करोड़ों दलित बच्चों का वजीफा नहीं बढ़ा। लाखों की स्कॉलरशिप का गबन होता रहता है। करोड़ों के प्लान के पैसे का दुरुपयोग होता रहता है। सरकार में लाखों पद खाली हैं। दलितों के मुद्दे तो ये भी हैं। मगर मीडिया उत्पीड़न होने पर ही क्यों सक्रिय होता है? जालौर की घटना को मीडिया ने इतनी जगह दी कि लाखों लोग बिना संगठित हुए ही पहुंच गए। दलितों की सक्रियता यक्ष प्रश्न है कि दलित सक्रियता भी इसी समय क्यों दिखती है? दलित कभी एक जज बनाने या कुलपति बनाने के लिए क्यों नहीं इकट्ठा होते? एक जज की कलम से पूरा आरक्षण प्रभावित हो जाता है। एक विश्वविद्यालय के कुलपति से कितने प्राध्यापक भर्ती किए जा सकते हैं और छात्रों का तो भला होगा ही। यूपीएससी सदस्य या चेयरमैन के लिए भी कभी दलित सक्रियता नहीं दिखती, जिससे करोड़ों का जीवन प्रभावित होता है। दलितों-आदिवासियों को प्राय: वैसे ही मंत्रालय दिए जाते हैं जो ज्यादा कुछ कर नहीं सकते। राजनीतिक दल संगठन में ऐसा पद नहीं देते, जिससे वह अपने समाज का भला कर सके। जब पार्टी ऐसे लोगों का पत्ता काट देती है, तब तो कोई दलित सक्रियता नहीं दिखती। दलित जातिवाद दलित खुद के जातिवाद करने पर गर्व करते हैं। शायद ही कोई दलित ऐसा हो जो जाति के संगठन से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न जुड़ा हो। एक जाति दूसरी से लड़ती भी रहती है। पंजाब चुनाव में दलित के नाम पर नाममात्र का वोट दिया गया क्योंकि चन्नी रविदासी थे। बहुजन आंदोलन के पहले भले ही चेतना कम थी, लेकिन उप-जातिवाद भी कम था। कहा गया कि जो अपनी जाति को जोड़ेगा, वह पाएगा। जाति के नेता अपनी-अपनी जाति संगठित करने के लिए निकल पड़े। जब टिकट और सम्मान नहीं मिला तो अपनी जाति का वोट लेकर दूसरी दुकान पर पहुंच गए। जो भी कीमत लगी,

समझौता कर लिया। थोड़े से लालच के चक्कर में एक दलित जाति दूसरे के खिलाफ खड़ी हो जाती है। जातीय सम्मेलनों को लीजिए, इनमें सारी ही जातियां भाषण देती हैं कि उन्हें अपनी जाति पर गर्व है। जब इन्हें गर्व है तो राजपूत और बनिया को भी अपनी जाति पर क्यों न गर्व हो? खुद करें जातिवाद तो गर्व और जब ब्राह्मण करें तो जातिवाद? जब तक यह चलेगा, जालौर, हाथरस और उन्नाव जैसी घटनाएं होती रहेंगी।

जातिवादी कुसंस्कार

उत्पीड़न का स्रोत सामाजिक व्यवस्था है। संविधान के कारण भेदभाव कम तो हुआ है, पर जहां भी संवैधानिक प्रावधान निष्क्रिय हुए, वहीं जालौर जैसा कांड हो जाता है। बहुजन आंदोलन डॉ. आंबेडकर की विचारधारा के खिलाफ था, लेकिन लोग समझे कि यही सामाजिक न्याय का आंदोलन है। इसे ऐतिहासिक ठगी कहा जाए या नासमझी? बाबा साहेब ने हिंदू धर्म तक छोड़ दिया। हमारे सारे नेता हिंदू धर्म में ही मरे, कुछ अपवादों को छोड़कर। बाबा साहेब के संघर्ष का प्रतिफल जैसे आरक्षण और अन्य सुविधाएं छात्र जीवन से ही लेने लगते हैं। लेकिन जब बौद्ध बनने की बात आए तो बुढ़ापे का इंतजार। बौद्ध धर्म तो आरक्षण लेने से पहले ले लेना चाहिए ताकि जातिवादी संस्कारों से मुक्त हो सकें।

ऐसे कैसे लड़ेंगे

जब तक मेघवाल, बैरवा, बलाई, खटीक, चमार, महार, मतंग बने रहेंगे, तब तक आपसी एकता कैसे होगी? बिना एकता के अन्याय से लड़ कैसे पाएंगे? जिन संस्कारों के कारण अत्याचार हो रहा है, उन्हीं को अपनाए रहें तो उत्पीड़न भी होता ही रहेगा। दलित पीएम और सीएम बन जाएं, तो भी उत्पीड़न बंद नहीं होगा। दलित उत्पीड़न की घटना से किसी राजनीतिक दल को फायदा हो सकता है। जो लोग दर्द और सहानुभूति प्रकट करने जालौर गए, उनका नाम मीडिया में छप गया और उन्हें नेता बनने का अवसर मिल गया। लेकिन दलितों के शोषण को रोकने का उपाय यह नहीं है। ऐसी घटना का विरोध होना चाहिए, लेकिन स्थायी समाधान भी खोजना होगा।

मनसे के नेता की 'गुंडागर्दी'

महिला के साथ मारपीट का वीडियो वायरल; पुलिस ने लिया एक्शन

मुंबई: महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के कमाठीपुरा में एक शख्स ने एक महिला की छोटी सी बात पर जमकर पिटाई की। विडियो वायरल होने के बाद इस मामले में नागपाड़ा पुलिस ने आरोपी विनोद अर्गिल, राजू अर्गले और सतीश लाड नाम के तीन लोगों को हिरासत में लिया और उन पर मामला दर्ज किया है। इस बात की जानकारी मुंबई पुलिस ने दी। बता दें कि, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) से कथित रूप से जुड़े कार्यकर्ताओं के एक समूह ने एक बुजुर्ग महिला पिटाई की है। जिसका वीडियो काफी वायरल हो रहा है। ये घटना 28 अगस्त की है। दरअसल, महिला की सहमति के बिना उसकी दुकान के सामने विज्ञापन लगाया जा रहा था, जिसका विरोध करने पर शख्स ने उस महिला के साथ गाली-गलौज, धक्का-मुक्की और मारपीट की। मनसे के विनोद अर्गिले और अन्य के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनके स्पष्ट इनकार से नाराज होकर उन्हें गालियां दीं और फिर उन्हें तब तक पीटा जब तक वह फुटपाथ पर नहीं गिर गईं। इस वायरल वीडियो में आप वीडियो में देख सकते है कि, कुछ लोग विनोद अर्गिल नाम के शख्स को खींचकर ले जाते नजर आ रहे हैं, लेकिन वह महिला को धक्का देते और थप्पड़ मारते नजर आ रहा है। आरोपी को अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते भी सुना जा सकता है। घटना का वीडियो वायरल होते ही नागपाड़ा थाने की पुलिस एक्शन लिया। नागपाड़ा पुलिस ने आरोपी विनोद अर्गिल, राजू अर्गले और सतीश लाड नाम के तीन लोगों को हिरासत में लिया और उन पर मामला दर्ज किया है। वहीं, पुलिस ने आईपीसी की आपराधिक धारा 7 की धारा 323,337,506 504,509 के तहत मामला दर्ज़ किया है।

सीएम ने राज ठाकरे से मुलाकात की

सियासी अटकलों का दौर शुरू

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को मनसे प्रमुख राज ठाकरे से उनके आवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने शिवसेना के वरिष्ठ नेता मनोहर जोशी से भी से मुलाकात की। जानकारी के मुताबिक, शिंदे ने गणेश उत्सव के अवसर पर दादर इलाके में राज ठाकरे से उनके आवास 'शिवतीर्थ' पर मुलाकात की। मुलाकात के बाद एकनाथ शिंदे ने कहा कि आज राज ठाकरे जी के घर मैं गणपति दर्शन के लिए आया हूं। यह कोई राजनीतिक भेंट नहीं है। गणपति में सब लोग एक दूसरे के यहां जाते हैं। बाला साहब के साथ सभी लोगों ने काम किया है। कोई भी राजनीतिक चर्चा नहीं हुई है। मुंबई में महत्वपूर्ण निकाय चुनावों से पहले इस मुलाकात को लेकर सियासी मायने में बताए जा रहे हैं। अटकलें हैं कि शिंदे बीएमसी चुनाव में मनसे का साथ चाहते हैं। इसके जरिए वे उद्धव गुट को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले मनसे प्रमुख ने पिछले महीने भाजपा नेताओं से मुलाकात की थी। इसके बाद से ही भाजपा और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना गठजोड़ की अटकलें लगाई जाने लगी थीं।

24 फीट ऊंची मिट्टी की गणेश प्रतिमा का पंडाल में ही होगा विसर्जन

मुंबई। प्लास्टर ऑफ पेरिस से होने वाले प्रदूषण को देखते हुए अब लोग मिट्टी की गणेश मुर्तियों के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। आमतौर पर अभी घरों में स्थापित की जाने वाली श्री गणेश की मिट्टी वाली छोटी मूर्ति ही दिखाई देती थी पर महानगर के एक गणेश मंडल ने 24 फीट ऊंची मिट्टी की गणेश प्रतिमा तैयार की है। इस मिट्टी की मूर्ति को पंडाल में ही तैयार किया गया है और इसे यहीं पर विसर्जित भी किया जाएगा। मिट्टी की मूर्ति तैयार करने वाले गणेश मंडल को प्रोत्साहित करने के लिए राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी भी इस गणेश पंडाल में पहुंचे। महानगर के पश्चिमी उपनगर अंधेरी पूर्व के चांदीवली स्थित कॉमर्शियल काम्प्लेक्स बूमरैंग में 24 फीट ऊंचाई वाली यह इकोफ्रेंडली गणेश मूर्ति स्थापित की गई है। इस गणेश मंडल से जुड़े 'नमो-नमो' संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अरुण शर्मा ने बताया कि यह हमारे गणेशोत्सव का छठा वर्ष है। 11 दिनों के गणेशोत्सव के बाद गणेश विसर्जन के लिए सड़कों पर भारी भीड़ से उस दिन यातायात व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो जाती है। इन बातों को ध्यान रखते हुए इस वर्ष हमने गणेश स्थापना वाली जगह पर ही बड़े-बड़े शॉवर के ज़रिए गणेश विसर्जन की व्यवस्था की है। शर्मा ने कहा कि गणेशोत्सव मनाने का उद्देश्य होता है कि समाज को कुछ नई सोच-विचारधारा से अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि आने वाले समय में दूसरे गणेश मंडल भी इसी तरह मिट्टी की प्रतिमा स्थापित कर उसे वहीं पर विसर्जित करने की व्यवस्था करेंगे। जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ लोगों को परेशानी से भी बचाया जा सकेगा।

कांग्रेस नेता की पार्टी से मांग

महाराष्ट्र के पूर्व CM पृथ्वीराज चव्हाण के खिलाफ हो कार्रवाई

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सचिव वीरेंद्र वशिष्ठ ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण द्वारा हाल ही में टेलीविजन डिबेट शो के दौरान राहुल गांधी के खिलाफ बोलने की निंदा की है. इसके साथ ही कांग्रेस नेता वीरेंद्र वशिष्ठ ने कांग्रेस पार्टी की अनुशासन समिति के प्रमुख तारिक अनवर को इस मामले में एक मेल भेजकर पूर्व सीएम के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. कांग्रेस नेता वीरेंद्र वशिष्ठ ने अपने अनुशासन समिति के प्रमुख तारिक अनवर के लिखे अपने मेल में लिखा- मैं कांग्रेस पार्टी के आंतरिक चुनावों के संबंध में पिछले कुछ दिनों से टीवी चैनलों पर पृथ्वीराज चव्हाण के झूठे बयानों की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं. मैं राहुल गांधी के खिलाफ भी झूठ बोलने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करता हूं. गुलाम नबी आजाद से की थी मुलाकात वीरेंद्र वशिष्ठ ने कार्रवाई की मांग उस समय की है जब महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने 30 अगस्त को गुलाम नबी आजाद से मुलाकात की थी, जो जी -23 समूह का हिस्सा है. पृथ्वीराज चव्हाण के साथ इस बैठक में जी-23 के सदस्य हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा और आनंद शर्मा भी थे. बता दें कि कांग्रेस की 'G23' नेताओं में शशि थरूर, गुलाम नबी आजाद (कांग्रेस के पूर्व नेता), मणिशंकर अय्यर, मनीष तिवारी शामिल हैं जो कांग्रेस पार्टी में संगठनात्मक परिवर्तन के बारे में मुखर रहे हैं. गौरतलब है कि जी-23 के नेताओं ने अगस्त 2020 में कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखकर संगठन में बदलाव और सभी स्तरों पर चुनाव कराने की मांग की थी. ऐसा माना जा रहा है कि आनंद शर्मा, पृथ्वीराज चव्हाण और भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने जी-23 की भविष्य की रणनीति के संबंध में गुलाम नबी आजाद से चर्चा की थी.

विपक्ष एकजुट होकर लड़े लोकसभा चुनाव

शरद पवार की सलाह

मुंबई, देश भर के विपक्षी दलों को भाजपा के खिलाफ लड़ने के लिए न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तहत एक साथ आना चाहिए। इस कार्यक्रम के आधार पर एक साथ चुनाव लड़ने पर विचार किया जा सकता है। यह बात राकांपा अध्यक्ष व सांसद शरद पवार ने दिल्ली में संवाददाताओं से बातचीत में कही। शरद पवार ने भाजपा के खिलाफ २०२४ के लोकसभा चुनाव को साथ मिलकर लड़ने के लिए विपक्ष को एकजुट करने का संकेत दिया है। हरियाणा के कुछ कार्यकर्ता कल गुरुवार को राकांपा में शामिल हुए। इस अवसर पर शरद पवार ने मीडिया से बातचीत की। इस मौके पर बातचीत करते हुए उन्होंने विपक्षी एकता का आह्वान किया। उन्होंने केंद्र सरकार की जमकर आलोचना की। धन का अपव्यय, सीबीआई, ईडी जैसी केंद्रीय मशीनरी का दुरुपयोग किया जा रहा है। उनके दम पर भाजपा ने राज्य की सरकारों को गिराने के लिए नया कार्यक्रम हाथ में लिया है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक में जैसा हुआ वैसा ही झारखंड में भी प्रयोग किया जा रहा है। सरकार गिराने के भाजपा के प्रयत्न को कैसे जवाब दिया जाए, इसको तय करने के लिए विरोधी दलों को एक साथ का आह्वान शरद पवार ने इस मौके पर किया। भाजपा छोड़ने और राष्ट्रीय जनता दल के साथ जाने के फैसले के लिए नीतिश कुमार की शरद पवार ने प्रशंसा की। नीतिश कुमार हमारे पुराने सहयोगी हैं और उन्होंने योग्य राजनीतिक फैसला लिया, ऐसा पवार ने कहा। वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद द्वारा कांग्रेस पार्टी छोड़ने की चिट्ठी देने के बारे में मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल को शरद पवार टाल गए। कांग्रेस का अध्यक्ष कौन हो, कौन न हो, यह कांग्रेस का आंतरिक मामला है। ऐसा शरद पवार ने स्पष्ट किया।

विलुप्त हो रहे गिद्धों के संरक्षण के लिए महाराष्ट्र में सुरक्षित गिद्ध क्षेत्र बनाने की मांग

मुंबई। बांबे नेचरल हिस्ट्री सोसायटी (बीएनएचएस) ने गिद्धों के संरक्षण और संवर्धन के लिए महाराष्ट्र को सुरक्षित गिद्ध क्षेत्र बनाने की मांग की है। बीएनएचएस के मानद सचिव किशोर रिठे ने कहा कि कभी राज्य के ग्रामीण इलाकों और वन क्षेत्रों में गिद्ध दिखना सामान्य बात थी लेकिन अब मेलघाट, पेंच और गढचिरोली के कुछ हिस्सों को छोड़कर वे कहीं नजर नहीं आते। इसलिए महाराष्ट्र को सुरक्षित गिद्ध क्षेत्र बनाने की जरूरत है। रिठे ने इस मांग को लेकर वनमंत्री सुधीर मुनगंटीवार, प्रधान मुख्य वनसंरक्षक (वन्यजीव) सुनील लिमये और वनविभाग के प्रमुख सचिव को पत्र लिखा है।

सुरक्षित क्षेत्र बनाने के लिए जानवरों के इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाली कुछ दवाओं पर पाबंदी की जरूरत है। गिद्ध मरे हुए प्राणियों को खाकर जीते हैं और वे स्वच्छता दूत के तौर पर काम करते हैं इसीलिए पर्यावरण के लिए उनका संवर्धन बेहद जरूरी है। बता दें कि सितंबर महीने के पहले शनिवार को विश्व गिद्ध संवर्धन और जनजागृति दिन के रूप में मनाया जाता है।

'अनेकता में एकता' के साथ पीएम मोदी का जन्मदिन मनाएगी भाजपा, देशभर में होंगे कार्यक्रम

भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में अपने पखवाड़े भर चलने वाले सेवा अभियान के तहत सभी जिलों में 'अनेकता में एकता' उत्सव का आयोजन करेगी। अभियान 17 सितंबर को मोदी के जन्मदिन पर शुरू होगा और 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर समाप्त होगा। भाजपा ने अभियान की निगरानी के लिए अपने महासचिव अरुण सिंह के नेतृत्व में आठ सदस्यीय केंद्रीय पैनल का गठन किया है, जिसमें रक्तदान शिविर, जल संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम और स्वच्छता अभियान जैसी गतिविधियां शामिल होंगी।

देश भर में कल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन होगा भाजपा पिछले एक पखवाड़े से देश भर में कल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन कर प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन को 'सेवा दिवस' के रूप में कई वर्षों से मना रही है। सिंह ने पार्टी की राज्य इकाई को लिखे पत्र में अभियान के विभिन्न विषयों पर निर्देश दिए हैं। पत्र के अनुसार, जिलों में भाजपा कार्यकर्ता 'अनेकता में एकता' उत्सव आयोजित करेंगे और जनता के बीच 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का संदेश भेजेंगे। अभियान के हिस्से के रूप में सभी राज्य इकाइयों में पार्टी के पदाधिकारी अपने से अलग राज्य की पहचान करेंगे और एक दिन के लिए उसकी भाषा और संस्कृति को अपनाएंगे। सभी राज्य इकाइयों को इसे और अन्य सभी गतिविधियों को प्रधानमंत्री के नमो ऐप पर अपडेट करने के लिए कहा गया है,

और इस उत्सव के आयोजन के लिए पांच सर्वश्रेष्ठ राज्य इकाइयों को सम्मानित किया जाएगा। पार्टी ने पौधरोपण अभियान, स्वच्छता अभियान और जल संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान, विकलांग व्यक्तियों के बीच उपकरण वितरण, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने के निर्देश भी जारी किए हैं। अभियान के हिस्से के रूप में महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर को भाजपा कार्यकर्ताओं और आम लोगों को खादी और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

ईडी सरकार के रवैए से परेशान किसान; खुद को गाड़कर किए आंदोलन!

मुंबई, अपने अधिकार का फसल बीमा मिले, इसके लिए बदनापुर तहसील कार्यालय के सामने आक्रोशित किसानों ने अनोखा आंदोलन किया। ईडी सरकार के रवैए से परेशान किसानों ने गड्ढा खोदकर उसमें खुद को गाड़कर आंदोलन किया। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक फसल बीमा का पैसा नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

बता दें कि ईडी सरकार में किसानों को अब तक फसल बीमा न मिलने से परेशान दाभाडी मंडल के किसानों ने फसल बीमा मिलने को लेकर आंदोलन शुरू किया है। इससे पहले किसानों ने सरकार को चेतवानी दी थी। हमारे अधिकार के फसल बीमा का पैसा मिलना ही चाहिए, ऐसा कहते हुए दाभाडी मंडल के अन्य किसान अपने खेत में खुद को मिट्टी में गाड़कर यह आंदोलन करेंगे। किसानों का कहना है कि फसल बीमा के संदर्भ में दाभाडी मंडल में मौसम खराब है, ऐसा कहकर फसल बीमा नहीं दिया जा रहा है।

एनआईए की इनामी स्कीम ! डी का पता बताओ 25 लाख पाओ

मुंबई, अंतरराष्ट्रीय आतंकी और हिंदुस्थान का मोस्ट वांटेड गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम पिछले ३ दशक से भी अधिक समय से हिंदुस्थान के बाहर रह रहा है लेकिन वह ९३ बम ब्लास्ट सहित तमाम आतंकी एवं आपराधिक वारदातों को अंजाम देकर हिंदुस्थान को चोट पहुंचाने का प्रयास करता रहा है। 'डी' कंपनी यानी दाऊद का गिरोह मुंबई में ड्रग्स, 'प्रॉपर्टी' बिजनेस, अवैध शस्त्र, विस्फोटक, ड्रग्स और नकली नोट की तस्करी की कमाई का उपयोग टेरर फंडिंग के लिए करता रहा है और डी कंपनी अपनी इकाई को और मजबूत करने की कोशिशों में जुटी है, ऐसा खुलासा एटीएस एवं नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की जांच में हुआ है। इसलिए एनआईए अब अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के सिंडिकेट को खत्म करने की कोशिशों में जुट गई है। एनआईए ने दाऊद और उसके गिरोह से जुड़े लोगों को दबोचने के लिए इनामी योजना का एलान किया है, जिसके तहत दाऊद का पता बतानेवाले को २५ लाख रुपए जबकि उसके दायां हाथ माने जानेवाले छोटा शकील पर २० लाख रुपए का इनाम घोषित किया है। एनआईए की खुफिया रिपोर्ट के अनुसार 'डी' कंपनी के लोग पाकिस्तान के सपोर्ट वाले आतंकी संगठनों तक पंâड पहुंचा रहे हैं। इस वजह से मुंबई, ठाणे और आस-पास के इलाकों में फिरौती, सट्टेबाजी, बिल्डरों को धमकी और ड्रग्स का कारोबार बढ़ा है। महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश एटीएस, दिल्ली पुलिस, एनआईए और ईडी की टीम ने टेरर फंडिंग में शामिल लोगों को पकड़ा है। आरोपियों के डी कंपनी के विदेश में फैले नेटवर्वâ, दाऊद के भाई अनीस इब्राहिम, छोटा शकील और टाइगर मेमन के साथ रिश्ते हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके 'डी' कंपनी गैंग से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी देने के लिए नकद इनाम राशि देने की घोषणा की है।

कर्ज का माया जाल

एक ऋण (loan) आपको बहुत मदद कर सकता है, लेकिन खराब कर्ज आपको बहुत परेशानी में डाल सकता है। सीधे शब्दों में कहें, एक ऋण जाल एक ऐसी स्थिति है जिसमें उच्च ब्याज दरों, सीमित वित्तीय संसाधनों और कई ईएमआई भुगतानों के साथ विभिन्न ऋणों के कारण कर्ज चुकाना लगभग असंभव है। दूसरी ओर, ऋण को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है यदि आप इसकी जटिलताओं की गहन समझ प्राप्त करते हैं। तो, इस स्वतंत्रता दिवस पर, आइए जानें कि कर्ज के जाल से कैसे मुक्त होकर आर्थिक रूप से स्थिर जीवन जिएं।

1. समस्या को पहचानें

यदि आपके पास कई क्रेडिट कार्ड हैं और उनमें से एक या अधिक पर आपकी क्रेडिट सीमा को पार कर चुके हैं या पार करने वाले हैं, तो आप पर कर्ज होने की संभावना है।

एक बड़ा खतरा ईएमआई भुगतानों का न होना और बड़ी मात्रा में शुल्क देना है। जब आप अपने कर्ज को नियमित रूप से चुकाने में असमर्थ होते हैं, और ऐसा लगता है कि आप इसे जल्द नहीं कर पाएंगे, तो यह कर्ज का जाल बन जाता है।

2. कर्ज को प्राथमिकता दें

आपके पास अल्पकालिक या दीर्घकालिक ऋण हो सकता है। क्रेडिट कार्ड और व्यक्तिगत ऋण अल्पकालिक ऋण के उदाहरण हैं, जबकि गृह ऋण दीर्घकालिक ऋण के उदाहरण हैं। ऋण को अवधि के आधार पर विभाजित करने के बाद ब्याज दरों, ओवरहेड लागतों और शुल्क के मामले में अधिक महंगे ऋणों पर हमला करना शुरू करें।

3. अंतराल भरें और भुगतान योजना बनाएं

अगर आपको पैसे बचाने में परेशानी हो रही है, तो अपने खर्चों पर नज़र रखकर शुरुआत करें। गैर-जरूरी वस्तुओं जैसे अवकाश यात्राओं, फिल्मों और विलासिता की खरीदारी पर अपना खर्च कम करें। अपनी रोज़मर्रा की लागतों को कम करने के लिए आविष्कारशील तरीके विकसित करने का प्रयास करें, जैसे कारपूलिंग, काम करने के लिए टैक्सी लेना या टेकआउट ऑर्डर करने के बजाय घर का बना खाना खाना।

4. पर्याप्त बीमा कवरेज लें

अपने आप को और अपने परिवार को विपत्तिपूर्ण घटनाओं से बचाने के लिए उचित बीमा खरीदें। आप जितनी जल्दी बीमा खरीदेंगे, आपका प्रीमियम उतना ही कम होगा।

बीमा प्राप्त करने से आप स्वास्थ्य देखभाल की बढ़ती लागतों के बारे में चिंता करने के बजाय अपना सारा पैसा अपने कर्ज का भुगतान करने में लगा सकते हैं।

5. अपने बैंक से अपनी ऋण अवधि बढ़ाने के लिए कहें

अगर आपके पास होम लोन है, तो आप अपने बैंक से अपनी लोन अवधि बढ़ाने के लिए कह सकते हैं। हालांकि यह आपकी ब्याज दर को बढ़ाएगा, यह आपके मासिक ईएमआई भुगतान को कम करेगा और आपको अपने ऋणों का भुगतान करने के लिए अधिक समय देगा। यदि आपके पास उनके साथ दीर्घकालिक साझेदारी है तो आपको अपने बैंक के साथ ब्याज दर पर बातचीत करने का भी प्रयास करना चाहिए। वैकल्पिक रूप से, अपने वर्तमान ऋण को कम ब्याज दर वाले बैंक में ले जाने पर विचार करें।

6. अपने भुगतान और ईएमआई योगदान बढ़ाएं

अपने ऋणों का तेजी से भुगतान करने के लिए, आप वेतन में वृद्धि के अनुपात में ईएमआई में अपना योगदान दोगुना कर सकते हैं।

अक्सर महसूस करते रहते हैं थकान और कमजोरी? इस विटामिन की कमी के कारण हो सकती है ऐसी दिक्कत

ऑफिस से शाम को घर आने पर या किसी खास शारीरिक मेहनत वाले काम के बाद थकान लगना स्वाभाविक है। हालांकि अगर आपको अक्सर ही इस तरह की दिक्कतों का अनुभव होता रहता है तो इस बारे में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत हो जाती है। अक्सर बनी रहने वाली थकान की समस्या शरीर में विटामिन्स की कमी या फिर किसी गंभीर रोग के कारण भी हो सकती है।

सामान्यतौर पर इसके लिए विटामिन बी-12 की कमी को प्रमुख कारण के रूप में जाना जाता है। विटामिन बी-12, शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसकी कमी होने के कारण शरीर में ऑक्सीजन का स्तर भी असंतुलित हो जाता है।

शरीर को बेहतर तरीके से काम करते रहने के लिए विटामिन बी-12 की आवश्यकता होती है। लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण और तंत्रिका तंत्र की रक्षा के लिए इस विटामिन की दैनिक रूप से शरीर को आवश्यकता होती है। आहार के माध्यम से इस विटामिन की पूर्ति की जा सकती है, हालांकि जिन लोगों में इसकी कमी हो जाती है उन्हें डॉक्टर सप्लीमेंट्स लेने की भी सलाह दे सकते हैं।

विटामिन बी-12 प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने, मेटाबॉलिज्म को ठीक रखने और शरीर को ऊर्जावान बनाए रखने में सहायक है। आइए जानते हैं कि थकान और कमजोरी की स्थिति में किन चीजों का सेवन करना आपमें इस विटामिन की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकता है?

किनमें देखी जाती है इस विटामिन की कमी

वैसे तो इस विटामिन की कमी किसी को भी हो सकती है पर कुछ लोगों में इसका जोखिम अधिक पाया गया है। जिन लोगों में विटामिन बी 12 की कमी का पारिवारिक इतिहास रहा हो ऐसे लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। मधुमेह सहित ऑटोइम्यून रोग, क्रोहन डिजीज और एचआईवी संक्रमितों में भी इसकी कमी अधिक देखी जाती रही है। कुछ प्रकार की दवाओं के सेवन और शाकाहारी भोजन करने वाले लोगों में भी इसकी कमी हो सकती है।

डेयरी उत्पाद की आहार में बढ़ाएं मात्रा

शाकाहारी भोजन में डेयरी उत्पादों के सेवन से शरीर के लिए आवश्यक विटामिन बी12 आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। हड्डियों और जोड़ों को मजबूत करने वाले आवश्यक प्रोटीन के साथ रोजाना दूध उत्पादों के सेवन से विटामिन-बी12 आसानी से प्राप्त हो सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि 1 कप कम फैट वाले दूध में 1.2 माइक्रोग्राम (एमसीजी) की मात्रा में इस विटामिन की उपलब्धता होती है। इसके लिए आप पनीर और दही आदि का भी रोजाना सेवन कर सकते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियों के सेवन से लाभ

अधिकांश सभी हरी पत्तेदार सब्जियों-साग में विटामिन-बी की अच्छी मात्रा पाई जाती है, हालांकि अध्ययनों में पाया गया है कि पत्तागोभी इसमें आपके लिए सबसे लाभकारी हो सकती है।

इसके अलावा हरी सब्जियों में खासकर पालक, आपकी दैनिक

चार्ल्स पटेल

विटामिन बी12 की आवश्यकताओं की पूर्ति में लाभकारी हो सकता है। पालक विटामिन-ए सहित कई अन्य प्रकार के पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है।

आहार में रोजाना किसी न किसी दो प्रकार की हरी सब्जियों को जरूर शामिल करें।

मांस और मछली का सेवन

रेड मीट और कई प्रकार की मछलियों का सेवन विटामिन बी12 की कमी को आसानी से पूरा करने में आपके लिए सहायक हो सकती है।

सी फूड्स की भी विटामिन बी 12 का समृद्ध स्रोत माना जाता है। रेड मीट से कई प्रकार के विटामिन्स और प्रोटीन्स के साथ आयरन की भी उच्च मात्रा प्राप्त की जा सकती है। विटामिन बी-12 की कमी वाले लोगों के लिए मांसाहारी चीजों का सेवन करना सबसे लाभकारी होता है। हालांकि इसका अधिक सेवन नुकसानदायक भी हो सकता है, इसका ध्यान रखें।

नई चुनौती: कोविड-19 के साथ स्वाइन फ्लू के भी बढ़ रहे हैं मामले, दोनों के लक्षण लगभग समान, कैसे करें अंतर?

रंजनबेन मसोया

देश में कोरोना महामारी को दो साल से अधिक का समय बीत चुका है। कोरोना के नए वैरिएंट्स के साथ इन दिनों कई अन्य प्रकार के संक्रमण का दौर भी जारी है। मंकीपॉक्स और टोमैटो फ्लू के साथ कई हिस्सों में स्वाइन फ्लू के मामले भी रिपोर्ट किए गए हैं। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक झारखंड की राजधानी रांची में पिछले दिनों तीन लोगों में संक्रमण की पुष्टि की गई है। झारखंड के अलावा दिल्ली, महाराष्ट्र, केरल, मिजोरम में भी पिछले महीनों में स्वाइन फ्लू के मामले की रिपोर्ट किए जा चुके हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक देश में इस साल की शुरुआत से ही स्वाइन फ्लू (H1N1 Flu) के मामले समय-समय पर रिपोर्ट किए जाते रहे हैं। कोरोना महामारी के बीच जारी इन खतरों को लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली में अगस्त के महीने में स्वाइन फ्लू के करीब 15 मामले दर्ज किए गए। वहीं महाराष्ट्र में इस साल 1

जनवरी से 28 अगस्त के बीच स्वाइन फ्लू के 2,337 मामले और 98 मौतें दर्ज की गई हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक संक्रमण के इस दौर में कई तरह की चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। इन सभी खतरों से बचे रहने के लिए लोगों को लगातार बचाव के उपाय करते रहने की आवश्यकता है। चूंकि अब त्योहारों का सीजन भी शुरू हो रहा है, ऐसे में सावधानियों को लेकर और भी अलर्ट हो जाने की जरूरत है।

स्वाइन फ्लू संक्रमण के बारे में जानिए

एच1एन1 फ्लू जिसे आमतौर पर स्वाइन फ्लू के रूप में जाना जाता है, यह मुख्य रूप से फ्लू (इन्फ्लूएंजा) वायरस के H1N1 स्ट्रेन के कारण होता है। इसके लक्षण मौसमी फ्लू के समान ही होते हैं। इसमें बुखार, खांसी, गले में खराश, बहती हुई नाक, शरीर में दर्द, सिरदर्द, ठंड लगना और थकान शामिल हैं। संक्रमितों में दस्त और उल्टी की भी दिक्कत हो सकती है। इस संक्रमण के कारण मृत्युदर 1-4 फीसदी के करीब हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं इस समय देश में कई प्रकार के संक्रमण का दौर चल रहा है। मच्छर जनित कई बीमारियां भी बढ़ रही हैं, ऐसे में सभी लोगों के लिए स्वाइन फ्लू संक्रमण और अन्य में समय रहते अंतर करना बहुत आवश्यक है, जिससे स्थिति का सही निदान और उपचार किया जा सके।

कोविड-19 और स्वाइन फ्लू में अंतर

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, देश में इन दिनों कोविड-19 और स्वाइन फ्लू दोनों के मामले दर्ज किए जा रहे हैं, इनके ज्यादातर लक्षण एक जैसे हो सकते हैं, जिनको लेकर सभी लोगों को विशेष ध्यान देते रहने की आवश्यकता है। दोनों बीमारियों के कई लक्षण एक जैसे जरूर हो सकते हैं पर दोनों की गंभीरता का स्तर अलग है, इस वजह से स्थिति की सही निदान होना भी बहुत आवश्यक है। कोविड-19 और स्वाइन फ्लू दोनों में शरीर दर्द, थकान, सिरदर्द, बहती नाक, खांसी आने, गले में खराबी जैसी समस्या हो सकती है। इन लक्षणों में समय रहते अंतर करने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ ऐसे लक्षण हैं जो इन दोनों बीमारियों को अलग करते हैं, इसपर ध्यान देकर सही अंदाजा लगाया जा सकता है।

वजन कम करने के लिए भूल से भी न करें इन चीजों को डाइट में शामिल

बढ़े हुए वजन को कम करने के लिए कीटो डाइट और एटकिंस को नहीं अपनाना चाहिए। वजन कम करने के लिए लोग कीटो डाइट और एटकिंस डाइट प्लान अपनाते हैं लेकिन पहले आपको ये पता होना चाहिए कि एटकिंस और कीटो डाइट क्या है? इनके फायदे और नुकसान जानें।

कीटोजेनिक डाइट को ही कीटो डाइट कहते हैं। इसे लो कार्ब डाइट, लो कार्ब हाई फैट डाइट भी कहा जाता है। कीटो डाइट में कार्ब की मात्रा सबसे कम, फैट की मात्रा सबसे अधिक और प्रोटीन फैट और कार्ब्स के बीच की मात्रा में होता है। एटकिंस और कीटोजेनिक डाइट में लोग भोजन में ऐसे पदार्थों को शामिल करते हैं, जिसमें कार्बोहाइड्रेट नहीं होता।

कीटो डाइट

सैन फ्रांसिस्को स्थित कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता डॉ. ईथन वीस ने कम कार्बोहाइड्रेट वाले आहार पर संदेह जताते हुए कहा उन्होंने खुद कीटोजेनिक आहार का प्रयोग किया।

सुबह का नाश्ता छोड़कर ज्यादातर शोधकर्ता ने सलाद, नट्स, पनीर, भुनी हुई सब्जियां ,ग्रिल्ड चिकन, मछली और डार्क चॉकलेट का सेवन किया। कीटो डाइट के सेवन का परिणाम यह निकला कि इससे अनावश्यक खर्च होता है और लंबे समय के लिए यह डाइट नुकसानदायक हो सकती है। फिर भी अगर आप इस डाइट को अपना रहे हैं तो कीटो वीन ऑफ डाइट अपना सकते हैं।

जीएम डाइट प्लान

जीएम डाइट प्लान में सात दिनों में सात किलो वजन कम करने का दावा किया जाता है।

हफ्ते के सातों दिन अलग अलग खाद्य सामग्री का सेवन किया जाता है। जीएम डाइट प्लान में ज्यादातर बॉडी डिटॉक्स करने वाले फूड शामिल होते हैं। इस डाइट प्लान को अपनाकर तेजी से वजन कम होता है लेकिन ऐसा थोड़े समय के लिए ही होता है।

यानी जैसे ही आप डाइट प्लान बंद करते हैं, वजन फिर बढ़ने लगता है।

एटकिंस डाइट चार्ट

एटकिंस डाइट में वजन कम करने के लिए कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा सीमित रहते हैं और दूसरी तरफ जितना चाहे प्रोटीन और वसा का सेवन कर सकते हैं।

हालांकि बेहद कम कार्बोहाइड्रेट वाले पोषक तत्व पाना बेहद मुश्किल होता है। लंबे समय तक इस डाइट चार्ट को भी नहीं अपना सकते है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : इस सप्ताह में जहां पुराने कार्यों को गति मिलेगी, वहीं कुछ मामले अटक भी सकते हैं। खासकर कमाई के साधन बाधित हो सकते हैं। इसलिए भविष्य के लिए बेहतर प्लानिंग करके रखना होगी। पारिवारिक जीवन में कुछ सुधार होते दिख रहे हैं, लेकिन अभी परिवार के साथ तालमेल बनाने के प्रयास आपको ही करने होंगे।

वृषभ : संकट अभी टला नहीं है, लेकिन इस सप्ताह कुछ राहत रहेगी। मानसिक तनाव बना रहेगा, लेकिन आपको सकारात्मक रहना है। धन की परेशानी कुछ हद तक नियंत्रण में रहेगी। कार्यों में बदलाव होने से लाभदायक स्थिति बनेगी लेकिन अभी भी खुद को स्थापित करने के प्रयास करते रहना होंगे। बिजनेस में कुछ सुधार की संभावना है।

मिथुन : धन का आगमन सुचारू रूप से होता रहेगा। बिजनेस में उतार-चढ़ाव के बावजूद लाभ की स्थिति रहेगी। नए कार्य करने के लिए सही समय है, लेकिन प्लान ऐसा हो जो वर्तमान दौर के अनुसार काम करे। पारिवारिक जीवन में संगे-संबंधियों से मेलजोल बढ़ेगा। उनके सहयोग से कार्यों को गति देने का प्रयास सफल होगा।

कर्क : मानसिक और आर्थिक रूप से इस सप्ताह राहत में रहेंगे। कोई बड़ा काम सफलतापूर्वक संपन्न हो जाने से संतोषजनक स्थिति में रहेंगे। किसी निकट संबंधी के कारण कुछ मानसिक तनाव हो सकता है। भूमि, भवन खरीदने के योग हैं। नया वाहन घर-परिवार में आ सकता है।

सिंह : इस सप्ताह आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। किसी महत्वपूर्ण काम के पूरा हो जाने से मन में संतोष रहेगा। आर्थिक स्थिति इस सप्ताह बेहतर रहेगी। पुराने निवेश से लाभ मिलने की उम्मीद है। कॉरपोरेट सेक्टर में काम कर रहे लोगों को कुछ मानसिक तनाव हो सकता है, लेकिन परेशान होने की आवश्यकता नहीं।

कन्या : धन का आगमन इस सप्ताह शानदार रहने वाला है। आपके काम का पूरा दाम मिलेगा। नौकरी में तरक्की के साथ बिजनेस से जुड़े लोगों को भी लाभ प्राप्त होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी। लेकिन इस सप्ताह बस एक बात का ध्यान रखना है कि किसी को पैसा उधार ना दें, वरना वह लौटकर नहीं आने वाला है।

तुला : भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। घर-परिवार में नया वाहन आने के योग हैं। लंबे समय से अटके किसी विशेष कार्य के पूरा हो जाने से मन को सुकून मिलेगा। धन का आगमन होगा, लेकिन खर्च पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, वरना आय से ज्यादा खर्च हो जाएगा। प्रेमी-प्रेमिका इस सप्ताह लंबे समय बाद साथ में वक्त बिता पाएंगे।

वृश्चिक: इस सप्ताह सबसे बड़ी बात यह कि आपको विकट परिस्थितियों में भी धैर्य और हिम्मत से काम लेना है। अपनी बात मनवाने के लिए किसी पर दबाव ना डालें, खासकर रिश्तों में सजगता से काम लें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें, कोई बड़ी दिक्कत आ सकती है। इस सप्ताह रोगों पर खर्च अधिक होने की संभावना है।

धनु : प्रगति के अवसर मिलने वाले हैं, लेकिन आपको मौका पहचानना आना चाहिए। युवाओं के अच्छे जॉब के अवसर मिलेंगे। स्टार्टअप के लिए समय अच्छा है। सेवा क्षेत्र का स्टार्टअप लाभ देगा। पुराने बिजनेस को नए सिरे से खड़ा करने में कामयाब होंगे। पारिवारिक जीवन शानदार रहने वाला है। मनमुटाव, द्वेष दूर होंगे।

मकर : इस सप्ताह भूमि, संपत्ति के काम बेहतर होंगे। पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग हैं। वाहन, मशीनरी के कार्यों से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा। नए बिजनेस में उतरना चाहते हैं तो परिवार के अनुभवी लोगों की सलाह जरूर लें। जीवनसाथी के साथ चल रहा मनमुटाव दूर होगा और आपसी प्रेम में वृद्धि होगी।

कुंभ : सप्ताह शुभ है और आपके सभी सोचे कार्य पूरे होने के योग बन रहे हैं। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को बेहतर मौके मिलने वाले हैं। बिजनेस से जुड़े लोगों को कार्य विस्तार के मौके मिलेंगे। अविवाहितों के विवाह की बात बनेगी। नव दंपतियों को संतान सुख मिलेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई पर फोकस करना होगा।

मीन : स्वास्थ्य अच्छा रहने से अपने कार्यों पर फोकस कर पाएंगे। आपके पराक्रम में बढ़ोतरी होने वाली है। अपने साहस के दम पर चुनौतियों को दूर कर लेंगे। बिजनेस के विस्तार की योजना पर काम करें, बेहतर परिणाम मिलेंगे। नौकरीपेशा को स्वकार्य की ओर प्रवृत्त होने का समय है। किसी प्रिय से भेंट हो सकती है। आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी।

पति: जब तुम्हारे पास ड्राइविंग लाइसेंस था तो फिर तुम्हारा चालान क्यों कटा?
पत्नी: उसमें मेरी फोटो अच्छी नहीं थी, इसलिए पुलिसवालों को दिखाया ही नहीं।

श्यामू: खाने के तुरंत बाद सोना नहीं चाहिए।
रामू: ऐसा क्यों?
श्यामू: थोड़ी देर फेसबुक और व्हाट्सएप भी चलाना चाहिए।

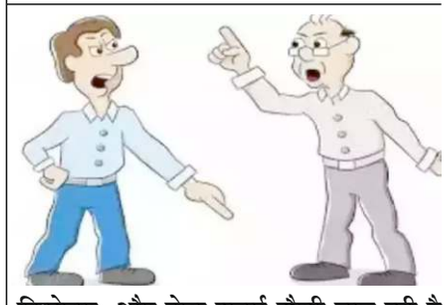

रिश्तेदार: और बेटा पढ़ाई कैसी चल रही है तुम्हारी?
गोलू: अंकल, वो तो चलते-चलते बहुत दूर निकल गई है मुझसे...!!!

हमने 70 प्रतिशत चुनावी वादे पूरे किए हैं: सीएम स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान द्रमुक सरकार द्वारा किए गए वादों में से 70 प्रतिशत वादे पूरे किए गए हैं। दरअसल, वह विपक्ष के नेता के. पलानीस्वामी के इन आरोपों का जवाब दे रहे थे कि उनकी सरकार ने वादे पूरे नहीं किए। स्टालिन ने यह भी आश्वासन दिया कि राज्य के लोगों के फायदे के लिए बाकी के वादे भी पूरे किए जाएंगे। यहां पूर्व मंत्री पोंगालुर एन पलानीसामी की पोती के शादी समारोह में उन्होंने कहा कि सरकार ने वादे के मुताबिक दूध, पेट्रोल के दाम कम कर दिए हैं और सरकारी बसों में महिलाओं के निःशुल्क यात्रा करने के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को हाल में दो रिपोर्ट मिली हैं, जिनमें से एक पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता की मौत के पीछे की परिस्थितियों पर तथा दूसरी तूतीकोरिन में आग लगने की घटना पर आधारित है, जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों रिपोर्ट विधानसभा में पेश की जाएंगी और कार्वाई करने से पहले उचित चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि ए दोनों रिपोर्ट चुनावी वादों का हिस्सा हैं। स्टालिन ने सभी घरों में महिला मुखिया को हर महीने।,000 रुपए की मदद करने के वादे पर कहा कि इसे जल्द पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल निगम स्कूलों में स्मार्ट क्लास योजना के शुभारंभ में भाग लेने के लिए पांच सितंबर को तमिलनाडु आएंगे। उन्होंने कहा कि इस मौके पर उच्च शिक्षा के लिए छात्राओं को।,000 रुपए देने की योजना का भी शुभारंभ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने किया रजत जयंती समारोह का शुभारंभ

राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय ने बढ़ाया प्रदेश का गौरव: शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि वकील, विधि और व्यवस्था के रक्षक हैं। कानून का राज ठीक चले, लोगों के अधिकारों की रक्षा हो और गरीब को न्याय मिले यह सुनिश्चित करना विधि के विद्यार्थियों का कर्तव्य और दायित्व भी है। वकील स्वयं को अपनी प्रेक्टिस तक सीमित न करते हुए देश और समाज को दिशा देने का कार्य भी करें। इन कार्यों से ही हमारा जीवन सार्थक होगा। अपने जीवन को अर्थपूर्ण और उद्देश्यपरक बनाना, स्वयं के लिए और समाज एवं राष्ट्र के लिए भी आवश्यक है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय भोपाल के रजत जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री चौहान ने राष्ट्रगान के बाद दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इससे पहले संस्थान की रजत जयंती पर मुख्यमंत्री चौहान के नेतृत्व में 25 पौधे लगाए गए।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय ने मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्थान देश में विधि क्षेत्र में विशिष्ट स्थान बनाए, इसके लिए राज्य शासन हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा संस्थान की गौरवशाली परम्परा रही है। देश और दुनिया में संस्थान का सम्मान स्थापित रहे और उसका विस्तार हो, यह हम सबका प्रयास होना चाहिए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी विद्यार्थियों को अपने जन्म-दिवस और जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर पौध-रोपण के लिए प्रेरित किया। स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष श्री विजय चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वकील पंचायत कर देश में नवाचार किया है। प्रदेश के 205 न्यायालयों में कम्प्यूटराइजेशन की प्रक्रिया आरंभ कर न्यायालयीन प्रक्रियाओं को व्यवस्थित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किया। मुख्यमंत्री चौहान की समस्याओं को सुलझाने की स्वयंस्फूर्त प्रवृत्ति अद्भुत है। ऐसे सहृदय, कर्मठ व्यक्तित्व द्वारा संस्थान के रजत जयंती समारोह का शुभारंभ करना संस्थान का सौभाग्य है। वाइस चांसलर प्रोफेसर वी. विजयकुमार ने कहा कि रजत जयंती समारोह में पूरे एक वर्ष तक विभिन्न गतिविधियां चलाई जाएंगी। राष्ट्रगान की धुन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार गय्यूर आलम सहित बड़ी संख्या में संस्थान के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गोवा: गांव के बच्चे गणेश उत्सव के दौरान घुमट आरती गाना सीख रहे

गोवा के एक गांव में इन दिनों घुमट वाद्य यंत्र और घुमट आरती की धूम है और दिलचस्प बात यह है कि इस लोक कला में गांव के बच्चे गहरी दिलचस्पी ले रहे हैं। निश नितेश नाइक अभी सिर्फ दो साल के हैं, लेकिन उनकी दिनचर्या में गोवा में उनके गांव के एक मंदिर में नियमित रूप से जाना शामिल है, जहां वह और अन्य बच्चे मिट्टी के बर्तन से बनने वाले वाद्ययंत्र घुमट को बजाना सीख रहे हैं। दक्षिण गोवा जिले के शिरोडा इलाके के तारवलेम गांव के ए बच्चे मोबाइल फोन पर गेम खेलने के बजाय, बुधवार से शुरू हुए 10 दिवसीय गणेश उत्सव के दौरान विशेष रूप से गाए जाने वाले भक्ति गीतों के लोक स्वरूप घुमट आरती को सीख रहे हैं। घुमट मिट्टी के घट यानी घड़े और छिपकली की खाल से निर्मित एक ताल वाद्य यंत्र है। यह परंपरागत वाद्य यंत्र गोवा में पाया जाता है। उन्होंने बताया कि इसे मुख्य रूप से गोवा के लोक और परंपरागत संगीत के सामूहिक प्रदर्शनों में उपयोग किया जाता है। घड़े के चौड़े हिस्से को छिपकली की खाल से ढंका जाता है और ऊपरी संकरा सिरा खुला रहता है। घुमट आरती इसी घुमट वाद्ययंत्र की धुन पर लोक गीत में गाई जाने वाली आरती है। गोवा में खास तौर पर गणेशोत्सव के दौरान घुमट आरती गाई जाती है। उन्होंने बताया कि गांव के गायक और संगीतकार राहुल कृष्णानंद लोटलीकर ने इन बच्चों की संगीत प्रतिभा को निखारने और सम्मानित करने का बीड़ा उठाया है। ग्रामीण मयूर नाइक ने पीटीआई-भाषा को बताया कि कैसे लोटलीकर ने अन्य स्थानीय लोगों के सहयोग से बच्चों को मोबाइल फोन पर गेम खेलने और सोशल मीडिया मंच पर रील बनाने में व्यस्त होने के बजाय घुमट जैसे वाद्ययंत्र बजाने और घुमट आरती गाने में रुचि पैदा की है। उन्होंने बताया कि घुमट बजाना सीखने वाले बच्चों के समूह में मयूर का भतीजा निश सबसे छोटा है। मयूर ने कहा, निश अभी दो साल का है। जब मैं घर पर बैठकर घुमट बजाता था तो उसने घुमट में दिलचस्पी दिखाई थी। इसलिए हमने उसे इन कक्षाओं से परिचित कराया और वह अब नियमित रूप से इसमें शमिल होता है। तारावले में रत्नदीप कल्चरल एंड स्पोर्ट्स क्लब इस मिशन में लोटलीकर को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। करीब 30 साल के लोटलीकर ने कहा मुझे याद है कि कैसे मैं बचपन में अन्य बच्चों के साथ घुमट आरती गाता था, लेकिन पिछले एक दशक में यह परंपरा बंद हो गई।

केरल उच्च न्यायालय ने तबादला आदेश के खिलाफ सत्र न्यायाधीश की याचिका खारिज की

यौन उत्पीड़न के दो मामलों में एक आरोपी को जमानत देते समय अपने आदेश में विवादास्पद टिप्पणी करने वाले सत्र न्यायाधीश की तबादला आदेश के खिलाफ दायर याचिका को केरल उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति अनु शिवरमण ने कहा कि स्थानांतरण किसी सेवा का एक आवश्यक हिस्सा होता है और कैडर संबंधी पद पर तबादले के आदेश को किसी पदाधिकारी द्वारा इस आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती कि वह किसी भी तरह से इससे व्यथित है। न्यायालय ने कहा कि स्थानांतरण आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है क्योंकि श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी का पद -जिस पर सत्र न्यायाधीश एस कृष्णकुमार को स्थानांतरित किया गया है, जिला न्यायाधीश के पद के बराबर है। अदालत ने कहा कि न्यायाधीश एस कृष्णकुमार ने स्थानांतरण के कारण कोई कानूनी अधिकार नहीं खोया है और उनके पास नियुक्ति के स्थान पर काम करने का दायित्व है। कृष्णकुमार (59) ने अपनी याचिका में कहा था कि वह छह जून, 2022 से कोझीकोड के प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश के रूप में अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे थे तथा उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार द्वारा जारी उनका तबादला आदेश स्थानांतरण मानदंडों के खिलाफ है। उन्होंने तर्क दिया था कि स्थानांतरण मानदंडों के अनुसार, वह 31 मई, 2023 को अपनी सेवानिवृत्ति तक प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश, कोझीकोड के रूप में बने रहने के हकदार हैं। न्यायाधीश ने याचिका में कहा था, "न्यायिक कर्तव्य का निर्वहन करते हुए पारित गलत आदेश स्थानांतरण का आधार नहीं हो सकता। यौन शोषण के दो मामलों में आरोपी लेखक एवं कार्यकर्ता सिविक चंद्रन की अग्रिम जमानत याचिकाओं पर पीड़ितिओं के संबंध में न्यायाधीश कृष्ण कुमार द्वारा की गई टिप्पणी से विवाद पैदा हो गया था। मामले में चंद्रन को जमानत देते समय कृष्णकुमार ने दो अगस्त के अपने आदेश में कहा था कि आरोपी एक सुधारवादी है और जाति व्यवस्था के खिलाफ है तथा यह बिलकुल अविश्वसनीय है कि वह पूरी तरह यह पता होने के बावजूद पीड़ित के शरीर को छुएगा कि वह अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखती है। न्यायाधीश ने यौन उत्पीड़न के एक अन्य मामले में चंद्रन द्वारा दायर जमानत अर्जी पर उसे जमानत देते समय पीड़ित के पहनावे के बारे में भी विवादास्पद टिप्पणी की थी।

विशाखापट्टनम एक्सप्रेस में जोड़ा जाएगा स्लीपर कोच

अहमदाबाद। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गांधीधाम विशाखापट्टनम एक्सप्रेस ट्रेन में एक स्लीपर श्रेणी का अतिरिक्त कोच अस्थाई रूप से लगाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है

ट्रेन संख्या 20804 गांधीधाम-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस ट्रेन में 11 सितंबर 2022 से 02 अक्टूबर 2022 तक एक स्लीपर श्रेणी का कोच अतिरिक्त जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि ट्रेन संख्या 20803 विशाखापट्टनम-गांधीधाम एक्सप्रेस ट्रेन में 08 सितंबर 2022 से 29 सितंबर 2022 तक एक स्लीपर श्रेणी का कोच अतिरिक्त जोड़ा जाएगा।

अहमदाबाद और ओखा के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन के फेरों का विस्तार

यात्रियों की सुविधा और उनकी यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा अहमदाबाद और ओखा के बीच विशेष किराए पर जन्माष्टमी विशेष ट्रेन के फेरों को संशोधित समय के साथ विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर के अनुसार ट्रेन का विवरण इस प्रकार है ट्रेन संख्या 09435/09436 अहमदाबाद-ओखा सुपरफास्ट विशेष ट्रेन 16 फेरे ट्रेन संख्या 09435 अहमदाबाद-ओखा सुपरफास्ट स्पेशल 23.25 बजे अहमदाबाद से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08.25 बजे ओखा पहुंचेगी। यह ट्रेन 3 सितंबर 2022 से 22 अक्टूबर 2022 तक प्रत्येक शनिवार को चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09436 ओखा-अहमदाबाद सुपरफास्ट स्पेशल ओखा से 23ः45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08ः45 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन 4 सितंबर 2022 से 23 अक्टूबर 2022 तक प्रत्येक रविवार को चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चांदलोडिया, वीरमगाम, सुरेंद्रनगर, थान, वांकानेर, राजकोट, हापा, जामनगर, खंभालिया और द्वारका स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में 3 टियर एसी, स्लीपर क्लास और जनरल क्लास कोच हैं। ट्रेन संख्या 09435 और 09436 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 3 सितंबर, 2022 से पीआरएस काउंटर और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया *www.enquiry.indianrail.gov.in* पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

04-09 सितंबर तक रेलवे क्रॉसिंग नंबर 241 बंद रहेगा

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर अहमदाबाद-महेसाणा सेक्शन के साबरमती-खोडियार स्टेशनों के बीच ट्रेक नवीनीकरण और ऑवर हॉलिंग कार्य के हेतु 04 सितंबर को प्रातः 08.00 बजे से 09 सितंबर 2022 को 18.00 बजे तक कुल 06 दिन के लिए रेलवे क्रॉसिंग नंबर 241 (उमा भवानी फाटक) बंद रहेगा। सड़क उपयोगकर्ता इस अवधि के दौरान रेलवे क्रॉसिंग नंबर 240,242 एवं रिंग रोड से आवागमन कर सकते हैं।

सरकार के खिलाफ अपराध के मामलों पर एनसीआरबी की सूची में असम शीर्ष पर

राजद्रोह के आरोपों सहित सरकार के खिलाफ अपराध के तहत मामले दर्ज करने वाले राज्यों की सूची में असम शीर्ष पर है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की नवीनतम रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। एनसीआरबी के आंकड़ों से यह खुलासा होने पर विपक्षी दलों और कानून विशेषज्ञों ने असम की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नीत राज्य सरकार असहमति की आवाज दबाने के लिए पुलिस राज की मदद से कानून के कठोरतम प्रावधानों का इस्तेमाल कर रही है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक, असम ने 2021 में 36 लोगों के खिलाफ इस तरह के कुल 35 मामले दर्ज किए। सरकार के खिलाफ अपराध श्रेणी में एनसीआरबी ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की पांच धाराओं को शामिल किया है। इनमें 124ए (राजद्रोह), 121 (युद्ध छेड़ना या युद्ध छेड़ने की कोशिश करना), 121ए (धारा121 के तहत दंडनीय अपराध की साजिश रचना) और 123 (युद्ध छेड़ने की साजिश को छिपाना) शामिल हैं। इस साल मई में, उच्चतम न्यायालय ने आईपीसी की धारा 124ए के तहत दंडनीय कानून पर रोक लगा दी थी। पिछले साल, असम में तीन लोगों के खिलाफ राजद्रोह के तीन मामले दर्ज किए गए थे, जबकि राज्य ने आईपीसी की चार अन्य धाराओं के तहत 32 प्राथमिकियां दर्ज की थीं और उनमें 33 लोगों को नामजद किया था। असम के बाद, आंध्र प्रदेश का स्थान है जहां सरकार के खिलाफ अपराध के 30 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद, जम्मू कश्मीर (13 मामले) और मणिपुर (10 मामले) का स्थान है। एनसीआरबी डेटा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया ने कहा कि राज्य में ऐसे कई उदाहरण हैं जिनमें सामान्य अपराधों के लिए राजद्रोह के आरोप लगा दिए गए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सैकिया ने दावा किया कि इस तरह के मामलों की दोषसिद्धि दर राज्य में बहुत कम है।

उत्तर रेलवे के बाड़ी ब्राह्मन स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित

उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मंडल के बाड़ी ब्राह्मन स्टेशन पर सैटेलाइट फ्रेट टर्मिनल के विकास कार्य के संबंध में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण, कुछ ट्रेनों को निरस्त, शॉर्ट टर्मिनेट / ऑरजिनेट, रेग्यलेट और रीशेड्यूल्ड किया जाएगा पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है निरस्त ट्रेनें 5 सितंबर 2022 की ट्रेन संख्या 22941 इंदौर-उधमपुर एक्सप्रेस 7 सितम्बर, 2022 की ट्रेन संख्या 22942 उधमपुर-इंदौर एक्सप्रेस 10, 11 और 12 सितंबर, 2022 की ट्रेन संख्या 12919 डॉ. अम्बेडकर नगर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा मालवा एक्सप्रेस । 12, 13 और 14 सितंबर, 2022 की ट्रेन संख्या 12920 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-डॉ अम्बेडकर नगर मालवा एक्सप्रेस । शॉर्ट टर्मिनेटेड ट्रेनें 6 से 12 सितंबर, 2022 तक अहमदाबाद से छूटने वाली ट्रेन सं. 19223 अहमदाबाद-जम्मू तवी एक्सप्रेस पठानकोट पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। 11 सितंबर, 2022 को भावनगर टर्मिनस से छूटने वाली ट्रेन सं. 19107 भावनगर टर्मिनस - उधमपुर जन्मभूमि एक्सप्रेस जालंधर सिटी पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। 11 सितंबर, 2022 को अहमदाबाद से छूटने वाली ट्रेन सं. 19415 अहमदाबाद-श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस फिरोजपुर कैंट पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। शॉर्ट ऑरगिनेटेड ट्रेनें 7 से 13 सितंबर, 2022 तक जम्मू तवी से छूटने वाली ट्रेन संख्या 19224 जम्मू तवी-अहमदाबाद एक्सप्रेस पठानकोट से चलेगी। 12 सितंबर, 2022 को उधमपुर से छूटने वाली ट्रेन संख्या 19108 उधमपुर-भावनगर टर्मिनस जन्मभूमि एक्सप्रेस जालंधर सिटी से चलेगी। 13 सितंबर, 2022 को श्री माता वैष्णो देवी कटरा से छूटने वाली ट्रेन संख्या 19416 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-अहमदाबाद एक्सप्रेस फिरोजपुर कैंट से चलेगी। रेगुलेट की गई ट्रेनें ट्रेन संख्या 12471 बांद्रा टर्मिनस-श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्वराज एक्सप्रेस 11 सितंबर, 2022 को 60 मिनट के लिए रेगुलेट की जाएगी। ट्रेन संख्या 12472 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-बांद्रा टर्मिनस स्वराज एक्सप्रेस 7 और 9 सितंबर, 2022 को 60 मिनट के लिए रेगुलेट की जाएगी। ट्रेन संख्या 12920 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-डॉ अंबेडकर नगर मालवा एक्सप्रेस 7 से 9 सितंबर, 2022 को 85 मिनट के लिए रेगुलेट की जाएगी। ट्रेन संख्या 12474 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-गांधीधाम सर्वोदय एक्सप्रेस 8 सितंबर, 2022 को 60 मिनट के लिए रेगुलेट की जाएगी।

आरएसएस में सभी खराब नहीं : ममता

आरएसएस पर टिप्पणी ममता को पड़ी भारी, हुई आलोचना

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के बारे में एक दिन पहले की गई अपनी एक टिप्पणी को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी को बृहस्पतिवार को आलोचना का सामना करना पड़ा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने बुधवार को कहा था कि आरएसएस में सभी खराब नहीं हैं और उसमें ऐसे कई लोग हैं जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का समर्थन नहीं करते हैं। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम), कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने ममता की इस टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना की है, जबकि भाजपा ने कहा कि उसे उनसे (ममता से) प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। आरएसएस ने अपनी सराहना पर टिप्पणी करने के बजाय राजनीतिक हिंसा के बंगाल के रिकार्ड का जिक्र किया और सुधारात्मक उपाय करने को कहा। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने ममता की टिप्पणी को लेकर उनपर सबसे करारा प्रहार किया। ओवैसी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2003 में भी उन्होंने आरएसएस को देशभक्त कहा था और बदले में आरएसएस ने उन्हें (देवी)दुर्गा कहा था। ओवैसी ने ममता पर तंज करते हुए कहा, उम्मीद है कि टीएमसी के मुस्लिम चेहरे उनकी ईमानदारी और रुख में निरंतरता के लिए सराहना करेंगे। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने ओवैसी की टिप्पणी को तवज्जो नहीं देने की कोशिश करते हुए कहा कि पार्टी को अपने धर्मनिरपेक्ष चरित्र को उनके समक्ष साबित करने की जरूरत नहीं है। टीएमसी सांसद सौगत राय ने कहा, हमें ओवैसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। ममता बनर्जी ने यह कहने की कोशिश की है कि हर संगठन में अच्छे और खराब लोग हैं। कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने पीटीआई-भाषा से कहा, यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने (ममता ने) आरएसएस की सराहना की है। उन्होंने 2003 का जिक्र किया, जब उन्होंने (ममता ने) आरएसएस के एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में भाग लिया था। उन्होंने राज्य में तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार को अपदस्थ करने के लिए उसका समर्थन मांगा था। चौधरी ने दावा किया कि ममता पहले भी आरएसएस के प्रति अपना आभार जता चुकी है। उन्होंने कहा, चुनावी लाभ हासिल करने के लिए कभी वह हिंदू रूढ़िवादियों, तो कभी मुस्लिमों को रिझाती हैं। ममता एक बार फिर बेनकाब हो गईं। ममता ने बुधवार को राज्य सचिवालय में एक कार्यक्रम में टिप्पणी की, आरएसएस उतना खराब नहीं है। आरएसएस में अब भी ऐसे लोग हैं जो भाजपा की नीतियों का समर्थन नहीं करते हैं। माकपा ने भी ममता की टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना की। पार्टी की केंद्रीय समिति के सदस्य सुजान चक्रवर्ती ने दावा किया कि उनकी टिप्पणी वाम दल के इस रुख का समर्थन करती है कि वह आरएसएस से ताल्लुक रखती हैं। आरएसएस के प्रदेश महासचिव जिश्नु बसु ने कहा, उन्होंने (ममता ने) कहा है कि आरएसएस में कुछ अच्छे लोग हैं।

कर्नाटक : स्वतंत्रता सेनानियों के पोस्टर पर पुलिस-आदेश की निंदा कर रहे कुछ संगठन

कुछ दक्षिणपंथी संगठनों और भाजपा नेताओं ने यहां सार्वजनिक स्थानों पर जवाहरलाल नेहरू और वी डी सावरकर समेत स्वतंत्रता सेनानियों की तस्वीरों वाले पोस्टर लगाने के पहले अनुमति लेने के पुलिस के आदेश की आलोचना की है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) (कानून व्यवस्था) आलोक कुमार ने कहा कि बेलगावी में स्थानीय निगम निकाय से अनुमति लेने के बाद ही लोग स्वतंत्रता सेनानियों की तस्वीरें (सार्वजनिक स्थानों पर) लगा सकते हैं। कुमार ने कहा था, यदि कोई बाल गंगाधर तिलक की तस्वीर लगाना चाहता है तो हमें कोई ऐतराज नहीं है, लेकिन सार्वजनिक स्थानों पर तस्वीरों-- चाहे वह जवाहर लाल नेहरू की हो, या सुभाषचंद्र बोस,भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, वीर सावरकर की, उसका इस्तेमाल करने से लिए व्यक्ति को स्थानीय निकाय से अनुमति लेनी होगी। पुलिस महानिदेशक ने बेलगावी में गणेश पंडालों में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर की तस्वीरों वाले पोस्टर लगाने पर कुछ स्थानों पर तनाव पैदा हो जाने के मद्देनजर यह आदेश जारी किया था। इस फैसले की आलोचना करते हुए भाजपा विधायक अभय पाटिल ने कहा कि आलोक कुमार को बेलगावी का इतिहास मालूम नहीं है इसलिए उन्होंने ऐसा बयान दिया। विधायक ने कहा कि पूरे दक्षिण भारत में सबसे पहले बेलगावी में 1905 में बालगंगाधर तिलक ने गणेश की मूर्ति स्थापित की, तब से गणेश पंडालों में तिलक का फोटो लगाने की परंपरा चल पड़ी। पाटिल ने सवाल किया, क्या अनुमति, कैसी अनुमति? तिलक और सावरकर की तस्वीर लगाने के लिए हमें किसकी अनुमति लेनी होगी? क्या हम अफजल गुरू का फोटो लगा रहे हैं? हम दशकों से उनकी तस्वीरें लगा रहे हैं। जब पहले ऐसी अनुमति की जरूरत नहीं थी तो अब उसकी क्या जरूरत पड़ गई? उन्होंने कहा कि बेलगावी की परंपरा चलती रहेगी और किसी भी अनुमति की जरूरत नहीं है जिले के लोग कायर नहीं हैं। दक्षिणपंथी संगठन श्रीराम सेना के प्रमुख प्रमोद मुतालिक ने पुलिस के आदेश की निंदा करते हुए कहा, श्रीमान एडीजीपी, हम किस देश में रह रहे हैं? क्या आपको पता नहीं है कि सावरकर और तिलक उन लोगों में शामिल हैं हमें आजादी दिलाई? क्या हमें सावरकार की तस्वीर लगाने के लिए अनुमति की जरूरत हैं।

SPORTS खेल जगत

विश्व स्तरीय खेल संस्थान विकसित करने के लिए खिलाड़ियों की विशेषज्ञता का सहारा लेगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि दिल्ली सरकार विश्व स्तरीय खेल संस्थान विकसित करने के लिए पूरे भारत के खिलाड़ियों की विशेषज्ञता और अनुभव को इस्तेमाल करेगी। केजरीवाल ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 के स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज अमित पंघाल और कांस्य पदक विजेता पहलवान पूजा गहलोत से मुलाकात की और दिल्ली तथा देश भर में खेल के अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने के बारे में चर्चा की। केजरीवाल ने कहा, आपने शीर्ष स्तर पर अपने शानदार प्रदर्शन से पूरे देश को गौरवांवित किया है। हमें अमित और पूजा जैसे खिलाड़ियों पर गर्व है और भविष्य में उनकी अपार सफलता की कामना करते हैं। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने देश भर की प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें निखारने तथा वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए दिल्ली खेल विश्वविद्यालय की स्थापना की है। उन्होंने कहा, दिल्ली खेल विश्वविद्यालय सिर्फ दिल्ली का नहीं, बल्कि पूरे देश का है। हम विश्व स्तरीय खेल संस्थान विकसित करने के लिए पूरे भारत के खिलाड़ियों की विशेषज्ञता और अनुभव का इस्तेमाल करेंगे। पूजा राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली का प्रतिनिधित्व करती हैं और राज्य की सुविधाओं में भी प्रशिक्षण लेती रही हैं।

आईसीसी टी20

आलराउंडर रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंचे हार्दिक

भारत के स्टार आलराउंडर हार्दिक पंड्या यहां एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय आलराउंडर रैंकिंग में आठ पायदान की छलांग से करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। हार्दिक ने 25 रन पर तीन विकेट चटकाने के बाद सिर्फ 17 गेंद में नाबाद 33 रन बनाए और भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। यह दर्शाता है कि आस्ट्रेलिया में आगामी टी20 विश्व कप में भारत के अभियान में उनकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण होगी। एशिया कप में अफगानिस्तान की धमाकेदार शुरुआत ने भी सभी का ध्यान खींचा है। टीम के खिलाड़ियों को रैंकिंग में फायदा मिला है। आईसीसी की विज्ञप्ति में कहा गया है कि राशिद खान ने नंबर एक गेंदबाज बनने की ओर कदम बढ़ाए हैं। वह साथी लेग स्पिनरों आदिल राशिद और एडम जंपा को पछाड़कर दो स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके 708 अंक हैं। राशिद की नजरें अब बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर तबरेज शम्सी (716) को पछाड़ने पर टिकी हैं लेकिन शीर्ष पर जोश हेजलवुड (792) ने बड़ी बढ़त बना रखी है। राशिद के हमवतन मुजीब उर रहमान (660) ने सात स्थान की बढ़त के साथ शीर्ष-10 में प्रवेश किया है। वह आठवें स्थान पर मौजूद भारत के भुवनेश्वर कुमार (661) से पीछे हैं। भुवनेश्वर ने पाकिस्तान के खिलाफ 26 रन पर चार विकेट चटकाकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में कोई नया खिलाड़ी नहीं आया है लेकिन पाकिस्तान के मोहम्मद रिज़वान 796 अंक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं और अपने कप्तान बाबर आजम (810) के साथ शीर्ष दो में शामिल हो गए हैं। अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जजाई 23 और 37 रन की दो पारियों के साथ तीन स्थान के फायदे से 14वें स्थान पर हैं। उनके साथी रहमानुल्लाह गुरबाज इस बीच पांच पायदान के फायदे से 29वें स्थान पर पहुंच गए।

अन्य दो प्रारूपों में कई फेरबदल हुए। दक्षिण अफ्रीका पर इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका के कारण कप्तान बेन स्टोक्स तीनों टेस्ट रैंकिंग में आगे बढ़ने में सफल रहे। स्टोक्स ने शतक बनाने के अलावा दोनों पारियों में दो-दो विकेट चटकाए। वह बल्लेबाजी रैंकिंग में नौ स्थान ऊपर 18वें, गेंदबाजी रैंकिंग में पांच स्थान आगे 38वें और आलराउंडर सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। आलराउंडर की सूची में रविंद्र जडेजा शीर्ष पर कायम हैं। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के शीर्ष दस में कोई बदलाव नहीं दिखा। आस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे के बीच एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला चल रही है। टाउन्सविले में वेस्ले मधेवेरे ने अर्धशतक की बदौलत 38 स्थान की लंबी छलांग लगाई है। जिंबाब्वे के उनके साथी रिचर्ड एनगारवा को भी एक स्थान का फायदा हुआ है।

वीनस, राडुकानू और ओसाका यूएस ओपन के पहले दौर में हारीं

दिग्गज खिलाड़ी वीनस विलियम्स को यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी बार पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा जबकि महिला एकल में मौजूदा चैंपियन एम्मा राडुकानू और एक अन्य पूर्व चैंपियन नाओमी ओसाका भी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाई। जून में अपना 42वां जन्मदिन मनाने वाली वीनस को ऑर्थर ऐस स्टेडियम में अपनी छोटी बहन सेरेना की तरह दर्शकों का अपार समर्थन नहीं मिला और सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सीधे सेटों में भी हार गई। वीनस को मंगलवार को खेले गए मैच में एलिसन वैन उयतवांक से 6-1, 7-6 (5) से हार झेलनी पड़ी। सेरेना बनने में सफल रही थी लेकिन इस बार कॉर्नेट के सामने उनकी एक नहीं चली। यूएस ओपन में दो खिताब जीतने वाली ओसाका भी सीधे सेटों में हारकर बाहर हो गई। उन्हें ऑस्ट्रेलियन ओपन की उपविजेता डेनियल कॉलिन्स ने मध्यरात्रि के बाद समाप्त हुए मैच में 7-6 (5), 6-3 से पराजित किया। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ओसाका इस साल फ्रेंच ओपन में भी पहले दौर में हार गई थी जिससे वह रैंकिंग में 44वें स्थान पर खिसक गई। कॉलिन्स के खिलाफ इस मैच से पहले उनका रिकॉर्ड 3-0 था लेकिन इस बार उनकी 19वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के सामने एक नहीं चली।

देश परदेश

देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 62,748 हुई

नई दिल्ली। भारत में कोविड-19 के 7,946 नए मामले सामने आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,44,36,339 हो गई जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 62,748 रह गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बृहस्पतिवार को सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से 37 और मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 5,27,911 हो गई है। मौत के इन मामलों में केरल द्वारा पुनर्मिलान किए गए 12 मामले भी शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.14 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 98.67 प्रतिशत हो गई है। बीते 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,919 की कमी दर्ज की गई है। संक्रमण की दैनिक दर 2.98 प्रतिशत दर्ज की गई है।

खोया मंडी में फूड सेफ्टी विभाग का औचक निरीक्षण

3 दुकानदारों को कारण बताओ नोटिस

त्योहारी सीजन के दौरान लाभ कमाने के लिए मिलावटी खोया व अन्य सामान बेच रहे दुकानदारों पर दिल्ली के फूड सेफ्टी विभाग से सख्ती कर दी है। गुरुवार को विभाग की टीम ने मोरी गेट स्थित खोया मंडी व बाग दीवार खारी बावली के पास की मंडी में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान 3 दुकानदारों को कारण बताओ नोटिस दिया गया। इसके अलावा 15 जगह से कानूनी नमूने लिए गए। वहीं 19 जगहों से निगरानी नमूने लिए गए हैं। विभाग के अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पाया गया कि कुछ दुकानदारों से खाने के सामान को ढककर नहीं रखा था। इनमें गंदगी दिख रही थी। इसके अलावा कुछ अन्य कमियां भी पाई गई है। विभाग के अनुसार फूड सेफ्टी विभाग की आयुक्त नेहा बंसल के निर्देश पर नामित अधिकारी एके सिंह और रणजीत सिंह और विभाग के कुछ अन्य अधिकारियों ने एफएसओ की 8 टीमों का गठन किया है। यह टीम दिल्ली के विभिन्न जगहों पर जाकर मिलावट की जांच कर रही है। अधिकारी की माने तो लिए गए सैंपल की रिपोर्ट 14 दिनों में आएगी। रिपोर्ट के आधार पर आगे उक्त दुकानदार पर कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय नायकों की वीरता पर राजौरी गार्डन मेट्रो स्टेशन पर प्रदर्शनी का शुभारंभ

दिल्ली मेट्रो के राजौरी गार्डन स्टेशन पर बृहस्पतिवार को एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया जिसमें भारतीय सैनिकों के साहस एवं वीरता तथा मेट्रो की अदम्य कहानी प्रदर्शित की गई है। अधिकारियों ने बताया कि मेट्रो नेटवर्क की पिंक लाइन पर राजौरी गार्डन मेट्रो स्टेशन पर वीरता और विकास नामक यह स्थाई प्रदर्शनी होगी। दिल्ली मेट्रो रेल निगम लिमिटेड (डीएमआरसी) प्रमुख विकास कुमार ने इसका उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि इस मौके पर वीरता पुरस्कार से सम्मानित और अपने प्राणों को न्योछावर करने वाले वीर जवानों के परिवार के सदस्य भी मौजूद थे। प्रदर्शनी में लगे पैनल में भारत के वीरता पुरस्कारों और उनके विजेताओं के विवरण दर्शाए गए हैं, जिनमें परमवीर चक्र, अशोक चक्र, महावीर चक्र, कीर्ति चक्र और वीर चक्र की छवियों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में लगे अन्य पैनल में स्वतंत्रता के बाद से भारत की 75 वर्षों की यात्रा और महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में दिल्ली मेट्रो की उत्पत्ति, इसकी उल्लेखनीय यात्रा और राष्ट्रीय राजधानी तथा उसके बाहर शहरी परिवहन के प्रतिमान को बदलने में इसकी अद्भुत कहानी के बारे में बताया गया है। इस विषय पर एक पैनल, जेनेसिस दिल्ली मेट्रो-फ्रॉम आइडियाज टू एक्शन में कहा गया है कि दिल्ली मेट्रो के विकास में उस समय के बाद 32 साल लग गए जब पहली बार बड़े पैमाने पर रैपिड ट्रांजिट नेटवर्क की सिफारिश की गई थी। डीएमआरसी ने कहा, दिल्ली मेट्रो की सफलता इस बात का ज्वलंत उदाहरण है कि कैसे हम जनता की भलाई के लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में सक्षम हैं।

125 विद्यार्थियों को मिली स्टेशनरी किट

एलजी ने एनडीएमसी बच्चों को वितरित की स्टेशनरी

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद और नवयुग स्कूलों में सभी बच्चों के लिए प्राथमिक शिक्षा सुलभ बनाने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए,दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने गुरूवार को कक्षा नर्सरी से पांचवीं तक के सभी छात्रों को स्टेशनरी सामग्री के वितरण के लिए एक कार्यक्रम की शुरुआत अटल आदर्श विद्यालय है व लॉक स्क्वायर नई दिल्ली से की। उनके साथ पालिका परिषद के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह भल्ला उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय,सचिव विक्रम सिंह मलिक और निदेशक शिक्षा आरपी सती भी थे। इस अवसर पर उपराज्यपाल सक्सेना ने 125 विद्यार्थियों को स्टेशनरी किट का वितरण किया। किट में अंग्रेजी और हिंदी नोट बुक रंग भरने की नोटबुक पेंसिलए क्रेयॉन रंगए इरेजर और शार्पनर शामिल थें। उन्होंने छात्रों को स्टेशनरी किट वितरित करते हुए उनसे से बातचीत भी की। उपराज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि नई दिल्ली नगरपालिका परिषद का यह प्रयास समाज के सबसे निचले आर्थिक तबके के माता-पिता को भी प्रोत्साहित करेगा कि वे अपने बच्चों को परिवार पर बिना किसी अतिरिक्त आर्थिक वित्तीय बोझ के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए एनडीएमसी स्कूलों में भेजें। जिन बच्चों को स्टेशनरी सामग्री वितरित की है,उनके अलावा शेष सभी छात्रों को आने वाले सप्ताह में उनके संबंधित स्कूल में स्टेशनरी किट प्रदान की जाएगी। इस योजना से लाभान्वित होने वाले कुल 12665 छात्रों में से 9399 छात्र एनडीएमसी स्कूलों के हैं और शेष 3266 छात्र नवयुग स्कूलों के हैं। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद द्वारा नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक के छात्रों को हर साल पात्रता के आधार पर मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति के अलावा मुफ्त पाठ्य पुस्तकें मध्याह्न भोजन और वर्दी पहले से ही प्रदान की जाती है।

दिल्ली में 14 कलाकारों की कलाकृतियों की प्रदर्शनी

राजधानी दिल्ली स्थित हेबिटेड सेंटर में 'कम सितंबर' थीम पर एक पांच दिवसीय कला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी एक सितंबर से 5 सितंबर के बीच आयोजित की जाएगी। देश के अन्य-अन्य राज्यों से आए 14 कलाकारों की इस प्रदर्शनी का गुरुवार को उद्घाटन किया गया। प्रदर्शनी में भाग ले रहीं मीनाक्षी झा बनर्जी ने बताया कि सभी कलाकारों ने अपने द्वारा बनाये गए चित्रों से लोगों का मन मोहने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी के पहले दिन कलाकारों ने अपनी कला का जादू बिखेरते हुए सभी का दिल जीत लिया है। बनर्जी ने बताया कि 5 दिन तक चलने वाली इस प्रदर्शनी को देखने दूर-दूर से लोग आए। उन्होंने बताया कि सितंबर माह से बसंत की शुरुआत होने के कारण हमने इस प्रदर्शनी का कम सितंबर का नाम दिया है। बनर्जी ने बताया कि इस प्रदर्शनी में जगह जगह से आए कलाकार भाग ले रहे हैं। इसमें तीन कलाकार शांति निकेतन से आए है, दो मध्य प्रदेश से, एक अगरतला और बाकी दिल्ली से हैं। सभी ने चित्रकला के विभिन्न रूपों को कागज पर उकेर कर अपने हुनर को प्रदर्शित किया। वहीं, प्रदर्शन में भाग ले रहे एक अन्य कलाकार जॉयल गिल ने बताया कि अपनी चित्रकला के माध्यम से उन्होंने नारी सशक्तिकरण को प्रदर्शित करने का प्रयास किया है। उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से मैंने यह बताने प्रयास किया है कि समाज और स्वयं महिलाओं को भले ही यह लगता है कि नारी सशक्त हो गई है, लेकिन हकीकत कुछ ही है।

चित्रों से लोगों का मन मोहने का प्रयास

शेरशाह
ने जीता बेस्ट एक्शन फिल्म का अवॉर्ड

मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में 67वां फिल्मफेयर अवॉर्ड समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई कलाकारों ने इस समारोह में शिरकत की। फिल्म जगत से लेकर टीवी दुनिया तक की कई हस्तियां इस दौरान शो में चार चांद लगाते नजर आए। अवॉर्ड समारोह में अलग-अलग कैटेगरी के कई पुरस्कार दिए जाएंगे। फिल्मफेयर अवॉर्ड्स बॉलीवुड का पॉपुलर अवॉर्ड शो है। इस अवॉर्ड्स की शुरुआत 30 अगस्त 2022 को हो गई है। इस दौरान रेड कार्पेट पर कियारा आडवाणी, कार्तिक आर्यन, विक्की कौशल और दिया मिर्जा का खूबसूरत अवतार देखने को मिला। इस बार शो को रणवीर सिंह और अर्जुन कपूर होस्ट कर रह हैं। फिल्मफेयर समारोह के दौरान रेड कार्पेट पर अभिनेत्री कटरीना कैफ शिमरी साड़ी में स्टाइलिश लगीं। वहीं अवॉर्ड्स की नाइट में तापसी पन्नू का भी ग्लैमरस अवतार देखने को मिला। इसके अलावा एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने स्टेज पर धमाकेदार डांस किया। अवॉर्ड शो के दौरान फिल्मफेयर ने इस साल दुनिया को अलविदा कह चुकीं बॉलीवुड हस्तियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अवॉर्ड फंक्शन में रवीना टंडन, शेहनाज गिल, मौनी रॉय, करण कुंद्रा, मलाइका अरोड़ा, कृति सेनन जैसे कई कलाकारों ने शिरकत की।

किसे मिला कौन-सा अवॉर्ड-

बेस्ट कोरियोग्राफी- विजय सिंह (चका-चक, अतरंगी रे)
बेस्ट एक्शन- शेरशाह
बेस्ट कॉस्ट्यूम- सरदार उधम
बेस्ट वीएफएक्स- सरदार उधम
बैकग्राउंड स्कोर- सरदार उधम
बेस्ट एडिटिंग- शेरशाह
बेस्ट साउंड डिसाइन- सरदार उधम

अचीवमेंट अवॉर्ड- सुभाष घई को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

पहली बार महिला गीतकार ने जीता फिल्मफेयर

इस दौरान सर्वश्रेष्ठ गीत का फिल्मफेयर पुरस्कार 83 के गाने लहरा दो के लिए कौसर मुनीर को दिया गया। यह पहली बार है जब किसी महिला गीतकार ने फिल्मफेयर पुरस्कार जीता है। वहीं, बेस्ट प्लेबैक सिंगर का अवॉर्ड बी प्राक ने शेरशाह के गाने मन भरया के लिए जीता। जबकि असीस कौर ने शेरशाह के ही गाने राता लंबियां के लिए बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर का पुरस्कार जीता।

बेस्ट डेब्यू का इन्हें मिला अवॉर्ड

शरवरी वाघ ने अपनी फिल्म बंटी और बबली 2 के लिए सर्वश्रेष्ठ डेब्यू फीमेल का पुरस्कार जीता। वहीं, बेस्ट डेब्यू मेल का पुरस्कार एहान भट को 99 सॉन्ग्स के लिए दिया गया। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ डेब्यू निर्देशक का पुरस्कार सीमा पाहवा को रामप्रसाद की तहरवी के लिए मिला।

शुभेंदु भट्टाचार्य और रितेश शाह को सरदार उधम के लिए बेस्ट स्क्रीनप्ले का अवॉर्ड मिला है। वहीं, सर्वश्रेष्ठ कहानी का पुरस्कार अभिषेक कपूर, सुप्रतीक सेन और तुषार परांजपे को चंडीगढ़ करे आशिकी के लिए मिला है। इसके अलावा दिबाकर बनर्जी और वरुण ग्रोवर को संदीप और पिंकी फरार के मिला बेस्ट डायलॉग का फिल्मफेयर अवॉर्ड।

सपोर्टिंग एक्टर में मिमी ने मारी बाजी

साई तम्हंकर को मिमी में कृति सेनन की दोस्त का किरदार निभाने के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर फीमेल, तो पंकज त्रिपाठी को बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर मेल का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला है। इसके अलावा शूजीत सरकार ने सरदार उधम के लिए सर्वश्रेष्ठ फिल्म (क्रिटिक्स) का पुरस्कार जीता है। फिल्मफेयर में शेरशाह ने कई अवॉर्ड अपने नाम किए।

पुराने अंदाज में दिखे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार इन दिनों बेशक अपनी फ्लॉप हो रही फिल्मों की वजह से चर्चा में हैं लेकिन वह सब कुछ भूलकर अपनी आने वाले फिल्मों में बिजी हो गए हैं। अक्षय की अपकमिंग फिल्मों की लिस्ट में कठपुतली का नाम भी शामिल है, जो सीधा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। इस फिल्म में अभिनेता एक पुलिस अफसर की भूमिका में दिखाई देंगे और उनके साथ रकुल प्रीत सिंह स्क्रीन शेयर करेंगी। वहीं, अब कठपुतली का दूसरा गाना रब्बा रिलीज हो गया है, जो फैंस को फिल्म के लिए अच्छी वाइब्स दे रहा है।

गाने में अक्षय और रकुल प्रीत की सिजलिंग केमिस्ट्री

अक्षय कुमार और रकुल प्रीत सिंह अभिनीत कठपुतली का दूसरा गाना रब्बा फुल ऑन एनर्जी से भरा हुआ है। इस गाने में अक्षय कुमार और रकुल प्रीत सिंह की केमिस्ट्री के साथ एक शानदार अंदाज भी नजर आ रहा है। दोनों धांसू डांस कर रहे हैं। इस गाने ने फैंस को कठपुतली के लिए एक्साइटेड कर दिया है। अक्षय कुमार काफी लंबे समय के बाद इस जोशीले गाने पर डांस करते हुए डैपर अवतार में नजर आ रहे हैं। रकुल ने रेड ड्रेस में अपने धमाकेदार मूव्स से स्टेज पर आग लगा दी। इस गाने का निर्देशन अहमद खान ने किया है।

अक्षय कुमार फिल्म कठपुतली से फैंस के लिए सस्पेंस और थ्रिलर से भरी कहानी लेकर आने वाले हैं, जिसमें वह पुलिस अफसर की भूमिका में हैं। कठपुतली की कहानी एक ऐसे पुलिस अधिकारी की है, जो एक ऐसे सीरियल किलर की खोज कर रहा है जो हर कत्ल के बाद बॉडी को सार्वजनिक जगहों पर छोड़ देता है। यहां तक कि बॉडी पुलिस को ढूंढनी नहीं पड़ती बल्कि किसी न किसी जरिए से खुद ही पुलिस के पास पहुंच जाती है। अक्षय कुमार और रकुल प्रीत सिंह की इस फिल्म का निर्देशन रंजीत एम तिवारी द्वारा किया गया है और इस फिल्म की शूटिंग हिमाचल में कसौली जिले में हुई थी। कठपुतली को 2 सितंबर से ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर देखा जा सकेगा। दावा किया जा रहा है कि अक्षय की फिल्म कठपुतली के लिए मेकर्स ने डिज्नी प्लस हॉटस्टार के साथ 125 करोड़ की डील की है।

कृतिसेनन
के साथ जुड़ा आदित्य रॉय कपूर का नाम

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अपनी डेटिंग की खबरों को लेकर अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। हाल ही में उनका नाम अभिनेत्री अनन्या पांडे के साथ जोड़ा गया था। सोशल मीडिया पर आदित्य और अनन्या की डेटिंग की खबरें काफी ट्रेंड में भी रही थीं। हालाँकि, अभिनेत्री ने इन खबरों को सिरे से नकार दिया था और अभिनेता को अपना अच्छा दोस्त बताया था। आदित्य और अनन्या की डेटिंग की खबरे अभी शांत हुई ही थीं कि अभिनेता का नाम एक बार फिर किसी बॉलीवुड अभिनेत्री के साथ जुड़ गया है। यह अभिनेत्री और कोई नहीं बल्कि कृति सेनन हैं। अभिनेत्री कृति सेनन इस गुरुवार को अभिनेता टाइगर श्रॉफ के साथ करण जौहर के मशहूर शो कॉफी विद करण में नजर आएंगी। मीडिया खबरों की मानें तो शो के होस्ट इस एपिसोड में अभिनेत्री के सामने बार-बार आदित्य रॉय कपूर का जिक्र करते नजर आने वाले हैं। एपिसोड के दौरान करण एक किस्से का भी जिक्र करते हुए नजर आएंगे, जिसमें उन्होंने एक पार्टी में कृति और आदित्य को एक कार्नर में कोजी होते देखा था। इसका जवाब देते हुए कृति ने साफ़-साफ़ कहा, मैं किसी के साथ कडलिंग करने के लिए कोने में नहीं जाउंगी। हम वहां बात कर रहे थे, जो काफी मजेदार थी। आदित्य काफी मजेदार इंसान हैं और हम साथ में अच्छे लगते हैं। इसके अलावा कॉफी विद करण के इस एपिसोड में कृति, टाइगर और करण खूब सारी मस्ती करते नजर आने वाले हैं, जिसका अंदाजा आप इस एपिसोड का प्रोमो देखकर लगा सकते हैं। इस एपिसोड का प्रोमों हाल ही में करण ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया था। जानकारी के लिए बता दें कि कृति और टाइगर जल्द ही फिल्म गणपत में साथ नजर आने वाले हैं। इससे पहले दोनों ने फिल्म हीरोपंती में साथ में स्क्रीन शेयर की थी।

फिल्मफेयर ट्रॉफी के साथ दिखीं कृति सेनन

फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2022 का आगाज हो चुका हैं और कई सितारों को उनकी बहतरीन परफोर्मेंस के लिए सम्मानित भी किया जा चुका है। बात करें साल 2021-22 के बेस्ट एक्टर और एक्ट्रेस की तो कृति सेनन को फिल्म मिमी में सरोगेट मां के किरदार के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला वहीं दूसरी तरफ इस बार भी रणवीर सिंह नें फिल्म 83 में कपिल देव के किरदार के लिए बेस्ट एक्टर अवॉर्ड जीता। फिल्म 83 जब रिलीज हुई थी तब सिनेमा में ज्याजा लोग नहीं आ रहे थे लेकिन ओटीटी पर फिल्म को काफी पसंद किया गया। अब ये दोनों सितारे अवॉर्ड जीतने के बाद अपने अपने अंदाज में अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं। कृति सेनन ने अपनी एक वीडियो फिल्मफेयर की ट्रोफी के साथ शेयर की हैं। वीडियो में कृति तो अपने बिस्तर पर लेडीलव (फिल्मफेयर ट्रोफी) के साथ सोते हुए देखा जा सकता है। कृति ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, आज की रात में अकेले नहीं सो रही। दिल खुशियों से भरा हुआ है। द ब्लैक लेडी (ट्रॉफी) आखिरकार मेरे पास है। इस वैद्यता और मेरे सपने को सच करने के लिए फिल्मफेयर का धन्यवाद। कृति अपनी खुशी जाहिर करते हुए यहीं नहीं रुकी उन्होंने आगे लिखा दिनू और लक्ष्मण उटेकर को बहुत सारा धन्यवादज मुझे यह खूबसूरत रोल देने के लिए आप दोनों को प्याक। पूरी कास्ट और क्रू जिसने इस फिल्म को स्पेशल ऊपर बनाया.. और प्यारी ऑडियंस और मेरे फैंस को जिन्होंने मिमी को इतना प्यार दिया.. और बहुत सारा प्यार।

'वंडर मैन'
वेब सीरीज में नजर आएंगे बेन किंग्सले

शंग-ची एंड द लीजेंड ऑफ द टेन रिंग्स में अपनी जबरदस्त परफॉर्मेंस के बाद अब हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता बेन किंग्सले डिज्नी प्लस की आगामी वेब सीरीज वंडर मैन में ट्रेवर स्लैटरी की भूमिका निभाने में एक बार फिर से नजर आने वाले हैं। इस शो से जुड़ी जानकारी सबसे पहले जून में सामने आई थी। यह वेब सीरीज मार्वल के कैरेक्टर साइमन विलियम्स उर्फ वंडर मैन पर केंद्रित होगी। बता दें कि कॉमिक्स में विलियम्स एक धनी उद्योगपति का बेटा है, जिसकी कंपनी टोनी स्टार्क के स्टार्क इंडस्ट्रीज से प्रतिस्पर्धा के कारण मुश्किल दौर से गुजर रही होती है। विलियम्स तब खलनायक बैरन जेमो से एक प्रस्ताव स्वीकार करता है जो उसे सुपर पावर प्रदान करता है। कई बार एवेंजर्स से लड़ने के बाद, वंडर मैन आखिर में उनके रैंक में शामिल हो जाता है।

बच्चे धरती का भविष्य : जिम सर्भ

भारतीय एक्टर जिम सर्भ ना केवल 'नीरजा', 'पद्मावत', 'मेड इन हैवन' जैसी फिल्मों में अपने उम्दा के लिये मशहूर हैं, बल्कि दो बार फिल्मफेयर के लिये नामित हो चुके यह एक्टर सस्टेनेबिलिटी को अपना मजबूत सहयोग देने के लिये भी खासे चर्चित हैं। सोनी बीबीसी अर्थ के 'यंग अर्थ चैम्पियंस' के दूसरे एडिशन को जज करने के लिए तैयार, जिम का मानना है कि बच्चे इस धरती का भविष्य हैं। एक छोटी-सी बातचीत में, जिम ने कहा, हम जितना समझते हैं बच्चे उससे कहीं ज्यादा स्मार्ट हैं। वे एक ऐसी अनोखी स्थिति में हैं कि वे इतनी कम उम्र में लंबे समय तक टिकने वाले आइडियाज के बारे में सोच सकते हैं। व्यापक नेटवर्किंग तक उनकी पहुंच और ज्ञान के अथाह सागर को देखते हुए ऐसा कहा जा सकता है। एक मार्गदर्शक पीढ़ी होने के नाते यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें हिस्सा लेने और उनके बेहतरीन आइडियाज के लिये उन्हें जागरूक करें। मुझे उनके साथ चर्चा करने और खुद उनसे कुछ चीजें सीखने की उम्मीद है! 'यंग अर्थ चैम्पियंस' युवाओं के साथ जुड़ना चाहता है और उन्हें एक स्थायी भविष्य की दिशा में प्रेरित करना चाहता है। इस कॉन्टेस्ट का उद्देश्य छठी से 9वीं कक्षा तक के स्टूडेंट्स के लिये एक नए जोश और उत्साह के साथ प्रतिस्पर्धी आधार तैयार करना है।

भूल गए सफल फिल्मों के सबक

नेटफ्लिक्स के रजत जयंती वर्ष पर मुंबई में हुए नेटफ्लिक्स के फिल्म्स डे पर राजकुमार राव की अगली ओटीटी फिल्म 'मोनिका ओ माय डार्लिंग' की झलक खासतौर पर मीडिया के सामने पेश की गई। कार्यक्रम में फिल्म की पूरी स्टारकास्ट के साथ ही राजकुमार राव भी आए लेकिन उनके चेहरे पर वह तेज नहीं दिखा, जिसके लिए वह अक्सर पहचाने जाते हैं। राजकुमार राव की गिनती बॉलीवुड के शानदार कलाकारों के रूप में होती रही है। काम भी उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों में किया है। लेकिन, फिल्म %स्त्री% के बाद से उनकी बॉक्स ऑफिस वैल्यू लगातार घटती जा रही है। सिर्फ सिनेमाघरों में रिलीज फिल्मों को गिने तो उनकी अब तक लगातार नौ फिल्में फ्लॉप हो चुकी हैं। राजकुमार राव को इन दिनों एक ऐसी फिल्म की सख्त जरूरत है जो बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर सके और उनके डूबते करियर को फिर से लाइमलाइट में ला सके। आइए जानने की कोशिश करते हैं कि आखिर हिंदी सिनेमा के टॉप 5 सितारों में शामिल रहे राजकुमार अपनी किन गलतियों के चलते धीरे धीरे हाशिये पर खिसकते जा रहे हैं...

कहानियों पर ध्यान नहीं

साल 2018 में आई फिल्म स्त्री के बाद राजकुमार राव की अब तक सिनेमाघरों में रिलीज हुई नौ फिल्मे फ्लॉप हो चुकी हैं। इन फिल्मों में 5 वेडिंग्स, एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा, जजमेंटल है क्या, 'मेड इन चाइना', 'शिमला मिर्ची', 'रूही', 'बधाई दो', 'हम दो हमारे दो' और हालिया रिलीज फिल्म हिट- द फर्स्ट केस शामिल हैं। इन सारी फिल्मों के साथ एक बात एक जैसी रही और वह ये कि इनकी कहानियों से सिनेमाघरों में फिल्में देखने वाले दर्शक तारतम्य नहीं बिठा सके। ऐसा नहीं कि उनको ध्यान में रखकर लेखक अच्छी कहानियां नहीं लिख रहे लेकिन उनकी एजेंसी के बीच में आ जाने के बाद से राजकुमार तक अच्छी कहानियां पहुंच ही नहीं पा रही हैं।

राजकुमार राव की लगातार फ्लॉप फिल्मों में एक बात और एक जैसी है और वह ये कि अब राजकुमार राव ने 'शाहिद', 'क्वीन' या 'सिटीलाइट्स' की तरह अपनी फिल्मों की कहानियों में किरदार की तरह दिखना बंद कर दिया है। अब हर फिल्म में वह राजकुमार राव ही नजर आते हैं। उनके किरदार अब दर्शकों को चौंकाते नहीं है। बातचीत में राजकुमार राव खुद मानते हैं कि जब भी मौका मिले, कलाकार को कुछ अलग करने की कोशिश करनी चाहिए। लेकिन, अपनी कही इस बात का असर उनकी अपनी ही फिल्मों में अब दिख नहीं रहा। हिंदी सिनेमा की एक बड़ी कमजोरी ये भी है कि यहां एक कलाकार खुद को बड़ा हीरो तब तक नहीं मानता जब तक कि वह अपने दौर की दिग्गज हीरोइनों के साथ काम न कर ले। राजकुमार राव की ऐश्वर्या राय बच्चन का हीरो बनने की तमन्ना फिल्म 'फन्ने खां' में पूरी तो हुई लेकिन इस फिल्म ने उनके करियर पर बड़ा ग्रहण लगा दिया। सोनम कपूर के हीरो वह फिल्म 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' में बने लेकिन फिल्म देखकर दर्शकों को कैसा लगा, ये सब जानते हैं। प्रियंका चोपड़ा के हीरो वह 'द व्हाइट टाइगर' में बने और ओटीटी हीरो का ठप्पा अपने ऊपर लगवा बैठे। बॉलीवुड में अक्सर देख गया है कि जब बड़ी हीरोइन किसी फिल्म में सेंट्रल किरदार निभाती है तो बड़े हीरो उसमे काम नहीं करते है। राज कुमार राव को यह बात नहीं समझ आई। उनको लगा कि कमर्शियल हीरो बनने के लिए उनका बड़ी हीरोइनों के साथ काम करना जरूरी है। और, यहीं उनसे सबसे बड़ी चूक हो गई। राजकुमार राव ने मुंबई के पॉश इलाके में करोड़ों का फ्लैट खरीदा है,।

आईजीबीसी मान्यता प्राप्त व्यावसायिक परीक्षा

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

आईजीबीसी एपी पेशेवरों के लिए ग्रीन बिल्डिंग डिजाइन के मूल्यांकन के लिए प्रमाणित ऑडिटर बनने का एक अवसर है। पाठ्यक्रम सामग्री और अध्ययन सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध हैं।परीक्षा किसी विशिष्ट रेटिंग प्रणाली पर आधारित नहीं है। यह हरित भवन डिजाइन और निर्माण पर एक उम्मीदवार के ज्ञान का परीक्षण करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

परीक्षा में निम्नलिखित चार खंड हैं:

खंड I: ग्रीन बिल्डिंग डिजाइन और निर्माण

खंड II: भवन मानक और कोड

खंड III: आईजीबीसी संसाधन और प्रक्रियाएं

खंड IV: हरित डिजाइन रणनीतियाँ और प्रभाव उम्मीदवारों को आईजीबीसी वेबसाइट www.igbc.in के माध्यम से इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल के साथ पंजीकरण करने की आवश्यकता है। परीक्षा शुल्क प्राप्त होने पर, पंजीकृत ईमेल आईडी पर एक स्वचालित पुष्टिकरण ईमेल भेजा जाएगा। परीक्षा केंद्र का सही पता परीक्षा की तारीख से 5 दिन पहले पंजीकृत ईमेल आईडी पर ईमेल के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रारूप में 110 प्रश्न होंगे, जिसमें प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। परीक्षा की अवधि 90 मिनट है। सफल होने के लिए, उम्मीदवारों को न्यूनतम 85 अंक प्राप्त करने होंगे। गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंकन नहीं है।

योग्य व्यक्ति 'आईजीबीसी रेटिंग प्रोग्राम' के तहत पंजीकृत परियोजनाओं में शामिल हो सकते हैं जैसे आईजीबीसी ग्रीन होम, आईजीबीसी फैक्ट्री भवन, आईजीबीसी मौजूदा भवन आदि। परियोजना टीम। परीक्षा ऑनलाइन है, कंप्यूटर आधारित है और महीने में दो बार पेश की जाती है (यानी पहली और तीसरी 'इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल एक्रिडिटेड प्रोफेशनल एग्जामिनेशन' (आईजीबीसी एपी) जो आईजीबीसी द्वारा पेश की जाती है, पेशेवरों के लिए एक क्रेडेंशियल है (कम से कम 2 साल के साथ) कार्य अनुभव) ग्रीन बिल्डिंग परियोजनाओं में भाग लेने के लिए।

मीरा भाईंदर मनपा कार्यक्षेत्र मे 7878 श्रीगणेश मूर्तियो का विसर्जन समारोह संपन्न

डेढ़ दिवसीय विसर्जन समारोह में श्रीगणेश भक्तो की भावभीनी विदाई

संवाददाता।भाईंदर

मीरा भायंदर मनपा क्षेत्र में पारंपरिक विसर्जन स्थलों के साथ-साथ प्राकृतिक झीलों/सागर और मूर्ति स्वीकृति केंद्रों पर श्रीगणराया की 7878 मूर्तियों का विसर्जन सुरक्षित तरीके से किया गया। मीरा भाईंदर मनपा आयुक्त दिलीप ढोले के अगुवाई मे उपायुक्त (मुख्यालय) मारुति गायकवाड़ की देखरेख मे डेढ़ दिवसीय विसर्जन समारोह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।डेढ़ दिवसीय विसर्जन के अवसर पर कुल 7878 श्री गणेश मूर्तियो को भावपूर्ण विदाई दी गई। वार्ड नंबर 1 में प्राकृतिक झील/समुद्र व कृत्रिम झील में कुल 302 श्री गणेश मूर्ति का

विसर्जन किया गया। वार्ड नंबर 1 में कुल 796 श्री गणेश मूर्तियो का प्राकृतिक झील/समुद्र में विसर्जन कियागया। वार्ड नंबर 1 में कुल 1673 श्री गणेश मूर्तियो का प्राकृतिक झील/समुद्र में विसर्जन किया गया। वार्ड नंबर 2 में कुल 2738 श्री गणेश में मूर्तियों का प्राकृतिक झील / समुद्र व कृत्रिम झील में विसर्जन किया गया।वार्ड नंबर 2 में कुल 82 श्री गणेश मूर्तियो का कृत्रिम तालाब में विसर्जन किया गया। वार्ड नंबर 1 में कुल 2287 श्री गणेश मूर्तियो का प्राकृतिक तालाब में विसर्जन किया गया। इस प्रकार कुल 7878 डेढ़ दिवसीय श्री गणेश मूर्ति को भावपूर्ण विदाई दी गई।मीरा भाईंदर मनपा आयुक्त दिलीप ढोले उपायुक्त (मुख्यालय) मारुति गायकवाड़, डिप्टी कमांडर (सेवा स्वास्थ्य) रवि पवार और स्थानीय विधायिका गीता भरत जैन ने शहर के कुछ विसर्जन स्थलों का दौरा किया के और कार्यक्रम किया विसर्जन प्रणाली का सीधा निरीक्षण | सुरक्षा हेतु सभी विसर्जन स्थलों पर बांस की बैरेकेटिंग की गई। अग्निशामकों,नगरपालिका स्वयंसेवकों के साथ चिकित्सा स्वास्थ्य और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं भी काम कर रही थीं। कानून व्यवस्था के नजरिए से सभी विसर्जन स्थलों पर पुलिस व्यवस्था के साथ-साथ सीसीटीवी व्यवस्था बहुत सतर्क टीम मौजूद थी। भविष्य में इसी प्रकार श्री गणेश विसर्जन के लिए 10 से 10 वार्ड समिति कार्यालय क्षेत्र में सभी व्यवस्थाएं सुसज्जित होंगी। हालांकि सभी शहर वासियों से मीरा भाईंदर मनपा प्रशासन से अपील है कि अगले कुछ दिन गणेश विसर्जन में पूरा सहयोग करें। मनपा आयुक्त दिलीप ढोले की तरफ से ऐसा अपील किया गया।

भाजपा कार्यकताओं से बोले केजरीवाल, पेमेंट वहीं से लो, काम हमारे लिए करो

गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए आम आदमी पार्टी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल लगातार प्रदेश का दौरा कर रहे हैं। इस बार अपने दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे केजरीवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं को अपने पक्ष में करने के लिए खास अपील की।

दो दिवसीय गुजरात दौरे के अंतिम दिन केजरीवाल ने कहा, हमें भाजपा के बड़े-बड़े नेता नहीं चाहिए। हमें उनके पन्ना प्रमुख, कार्यकर्ता चाहिए। उन्होंने कहा, आप सभी लोग भाजपा में ही रहो। भाजपा पेमेंट करती है, पेमेंट उनसे लो, लेकिन काम हमारे लिए करो। उन्होंने दावा किया कि बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता आम आदमी पार्टी से जुड़ रहे हैं।

मैं एहसान फरामोश नहीं

केजरीवाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, मैं एहसान फरामोश नहीं हूं। आप सभी की सभी मांगों को एक महीने के अंदर पूरा करूंगा। इस दौरान उन्होंने आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी मनोज सोराठिया पर हमले को लेकर दुख जताया। उन्होंने कहा, ये गुजरात और हिंदू संस्कार नहीं हैं। उन्होंने भाजपा पर हमले का आरोप लगाते हुए कहा, उन्हें अपनी हार दिखाई दे रही है, इस कारण हमले हो रहे हैं, लेकिन हम डरते नहीं हैं। हमें संयम रखना है। जब चुनाव होगा तो हमें बटन दबाकर अपना गुस्सा जाहिर करना होगा। उन्होंने कहा, हम कांग्रेस नहीं हैं। इसलिए अपने तौर तरीके बदल लो, हम डरने वाले लोग नहीं हैं। हम सरदार पटेल को मानने वाले लोग हैं।

सूरत में 12 में से सात सीटें जीतेगी आप केजरीवाल ने कहा, हमने एक सर्वे कराया है। इसमें सूरत की 12 में से सात सीटें आम आदमी पार्टी जीतने वाली है। उन्होंने कहा, वक्त कम है, इसलिए आप सभी अपने-अपने स्तर पर प्रचार करो। उन्होंने कहा, 27 साल तक भाजपा ने कर्मचारियों के लिए कुछ नहीं किया। चुनाव के तीन महीने पहले फिर से इन्हें लॉलीपाप देंगे।

जे. एम. फिल्म्स स्टूडियो की प्रस्तुति गणेश वंदना सिद्धि विनायक संकट हारी गाना यूट्यूब पर हुआ रिलीज

गणेश चतुर्थी के अवसर पर जे. एम. फिल्म्स स्टूडियो के बैनर तले तैयार किया गया गाना गणेश वंदना "सिद्धि विनायक" संकट हारी यूट्यूब्ब पर रिलीज़ किया गया है जिसे खूब पसंद किया जा रहा है इस गाने में एक बार फिर से आपको सिंगर एम जावेद और अभिनेता अजय कुबेर की जोड़ी देखने को मिलेगी इससे पहले आपने इस जोड़ी को बहुत ही फेमस भजन "भजले प्यारे" में खूब पसंद किया और खूब प्यार दिया। इस गाने को अपनी आवाज और म्यूजिक से सजाया है सिंगर एम जावेद ने अजय शर्मा फर्रूखाबादी ने इसके बोल लिखे हैं इस वीडियो के डायरेक्टर शोएब खान और रघु हैं और सिनेमेटोग्राफर जुबेर शैख हैं इस गाने में एम जावेद , अजय कुबेर , जिया तुलशानी, बाल कलाकार पियूष मंदान , सतीश अग्रवाल, संजय राय , नंदलाल घुड़शेले , ललित रावत ने भूमिका निभाई है कास्टिंग अजय सिंह चंदेल ने की है।

मोटरमैन की सूझबूझ से टला रेल हादसा

मुंबई। अपराह्न लोकल ट्रैक पर एक संभावित हादसा उस समय टल गया, जब सैंडहर्स्ट रोड और मस्जिद स्टेशन ने बीच रेलवे ट्रैक पर पड़े ड्रम और बड़े को मोटरमैन ए. के. शर्मा ने समय रहते देख लिया और ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक ली। यह घटना कल दोपहर 3.15 बजे हुई। सीएसएमटी से निकली खोपोली फ़ास्ट लोकल सैंडहर्स्ट रोड और मस्जिद स्टेशन के बीच पहुंची तब मोटरमन शर्मा की नजर ट्रैक पर एक बड़े से ड्रम और उस पर रखे पत्थर पर पड़ी। मोटरमैन शर्मा ने ब्रेक लगाकर स्पीड काफी कम कर दी। हालांकि लोकल ड्रम से टकराई और जोर की आवाज हुई, इससे एक संभावित दुर्घटना टल गई। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना कंट्रोल रूम को दी। यात्रियों की मदद से ड्रम को हटाया गया और इससे लोकल को 5 मिनट रोकना पड़ा।

आरपीएफ टीम द्वारा अनधिकृत रेल टिकट दलालों पर बड़ी कार्रवाई

संवाददाता। मुंबई

मुंबई: पश्चिम रेलवे द्वारा निर्दोष यात्रियों को लुभाने और अवैध कमीशन की वसूली करने वाले रेल टिकट दलालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा और छापेमारी की जा रही है। दलालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए पश्चिम रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा सभी छह मंडलों में नियमित रूप से विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी दिशा में मिशन 'ऑपरेशन उपलब्ध' के तहत राजकोट मंडल की दलाली - निरोधक टीम ने दलाली, आईआरसीटीसी की फर्जी यूजर आईडी का इस्तेमाल कर अवैध रूप से टिकट बुक करने, अवैध सॉफ्टवेयर के विकास और बिक्री करने वाले छह लोगों को गिरफ्तार किया है. पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार हाल ही में राजकोट मंडल के दलाली निरोधक दल और साइबर सेल -प्रधान कार्यालय के साथ एक आरपीएफ टीम ने राजकोट के ट्रैवल एजेंट मन्नान वाघेला को पकड़ने में सफलता पाई, जो थोक में रेलवे टिकटों के खरीद के लिए अवैध सॉफ्टवेयर कोविड-19 का उपयोग कर रहा था। इसके अलावा, कन्हैया गिरी (अवैध सॉफ़्टवेयर COVID-X, ANMSBACK, BLACK TIGER आदि का सुपर विक्रेता) नामक एक अन्य व्यक्ति को हाल ही में वाघेला द्वारा प्रदान की गई जानकारी के आधार पर मुंबई से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान गिरी ने अहम खुलासा किया और अन्य सहयोगियों एवं वापी के एडमिन/डेवलपर अभिषेक शर्मा का नाम बताया, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया। अभिषेक शर्मा ने इन सभी अवैध सॉफ्टवेयरों को बेचने के लिए एडमिन होने की बात कबूल की। गिरफ्तार आरोपी व्यक्तियों द्वारा उपलब्ध कराए गए सुरागों के आधार पर 3 और आरोपी व्यक्तियों अमन कुमार शर्मा, वीरेंद्र गुप्ता और अभिषेक तिवारी को क्रमशः मुंबई, वलसाड (गुजरात) और सुल्तानपुर (यूपी) से गिरफ्तार किया गया। ये आरोपी व्यक्ति आईआरसीटीसी के फर्जी वर्चुअल नंबर और फर्जी यूजर आईडी प्रदान करने के साथ-साथ सोशल मीडिया अर्थात टेलीग्राम, व्हाट्सएप आदि का उपयोग करके अवैध सॉफ्टवेयर के विकास और बिक्री में शामिल थे। इन आरोपियों के पास फर्जी आईपी एड्रेस बनाने के सॉफ्टवेयर थे, जिनका इस्तेमाल ग्राहकों पर प्रति आईपी एड्रेस से सीमित संख्या में टिकट प्राप्त करने के लिए लगाए गए प्रतिबंध को दरकिनार करने के लिए किया जाता था। उन्होंने डिस्पोजेबल मोबाइल नंबर और डिस्पोजेबल ईमेल भी बेचे,जिनका उपयोग आईआरसीटीसी की फर्जी यूजर आईडी बनाने के लिए ओटीपी सत्यापन हेतु किया जाता है। आरपीएफ इस मामले में शामिल कुछ और संदिग्धों की तलाश में है। ठाकुर ने आगे बताया कि इस मामले में इन सभी आरोपितों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई के दौरान लगभग रु. 43.43 लाख मूल्य के 1700 टिकटों, जिन पर यात्रा शुरू नहीं की जा सकी, जब्त कर लिया गया। साथ ही पांच लैपटॉप, सात मोबाइल, एक पोर्टेबल हार्ड डिस्क, 8336 फर्जी आईआरसीटीसी आईडी और 50 नकली सिम कार्ड जब्त किए गए। इसके पहले भी उन्होंने 28.14 करोड़ रुपये मूल्य के टिकट बनाए और बेचे थे, जिससे उन्हें भारी कमीशन मिला। इससे काले धन की उत्पत्ति की मात्रा का पता चलता है और जिससे अन्य अवैध गतिविधियों को वित्तपोषित किया जा सकता था। आरोपियों द्वारा सामने आई जानकारी की जांच एक टीम द्वारा की जा रही है ताकि खामियों को दूर किया जा सके और इस तरह की गलत प्रथा को रोकने हेतु कदम उठाए जा सकें। भविष्य में इस तरह की अवैध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए यह अभियान जारी रहेगा।

किशोरी को मारकर सूटकेस में बंद करने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता, गुजरात से दो गिरफ्तार

मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग के किनारे नायगांव पुल के पास झाड़ियों में किशोरी का शव मिला था। राहगीर ने वालिव पुलिस को शव पड़े होने की सूचना दी थी।

महाराष्ट्र के पालघर जिले के वालिव इलाके में मिले किशोरी के शव के मामले में पुलिस ने गुजरात से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। किशोरी की हत्या करने के बाद आरोपी शव को सूटकेस में रखकर फरार हो गए थे। मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। मिली जानकारी के अनुसार, 26 अगस्त को मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग के किनारे नायगांव पुल के पास झाड़ियों में किशोरी का शव मिला था। राहगीरों ने वालिव पुलिस को शव पड़े होने की सूचना दी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया था। किशोरी 25 अगस्त को स्कूल जाते वक्त लापता हो गई थी। जिसके बाद मुंबई पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच में लड़की की हत्या में दो लोगों की भूमिका सामने आई थी। मीरा भयंदर वसई विरार पुलिस ने 21 साल की उम्र के दो संदिग्धों की तस्वीरें जारी की थी। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपियों को शुक्रवार रात गुजरात के पालनपुर से गिरफ्तार किया गया है। अभी हत्या की वजह की जांच की जा रही है। ठाणे पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

महाराष्ट्र के ठाणे जिले की नवघर पुलिस ने किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। युवक ने पड़ोस में रहने वाली किशोरी के घर में घुसकर घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी समीर खान अक्सर उसका पीछा किया करता था। कई बार आरोपी ने उससे फोन पर बात करने की कोशिश की। पुलिस का कहना है कि आरोपी 27 अगस्त को किशोरी के घर गया था। उसके माता-पिता काम से बाहर गए हुए थे। तभी आरोपी ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। नवघर पुलिस ने बताया कि पीड़िता की बहन के शोर मचाने पर वह भाग गया था। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

मानव सेवा ही परम धर्म है - डॉक्टर कृष्णा चौहान

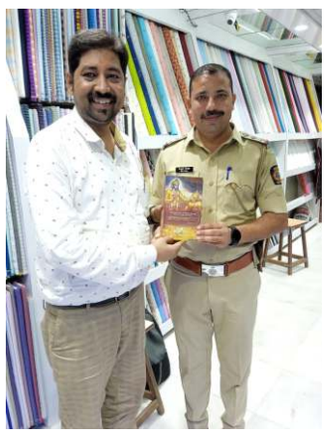

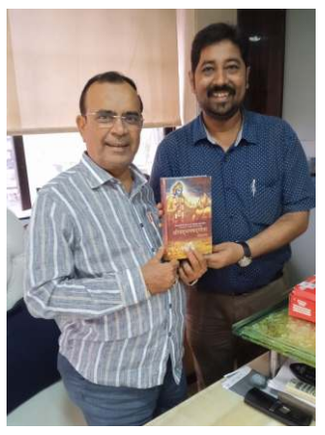

मिठाईयां देते हैं और साथ ही कीमती उपहार भी देते हैं।

आज के वक्त में जहां एक तरफ लोग अपने रिश्तेदारों को मिठाईयां और उपहार नहीं देते हैं, वहीं दूसरी तरफ डॉक्टर कृष्णा चौहान का लोगों को उपहार, मिठाइयां और भगवद गीता देना तारीफ के काबिल है। डॉक्टर कृष्णा चौहान का मानना है कि उनसे जितना हो सके वो लोगों की मदद करते रहेंगे क्योंकि मानव सेवा ही परम धर्म है। डॉक्टर कृष्णा चौहान आगे कहते हैं कि अच्छा काम करते रहिए ऊपर वाला एक न एक दिन आपको आपके कर्मों का फल जरूर देगा।

डॉक्टर कृष्णा चौहान उत्तरप्रदेश के गोरखपुर के रहने वाले हैं। काफी कम उम्र में मुंबई जैसे शहर में अपनी एक अलग पहचान बनाना, यह अपने आप में एक बड़ी बात है। डॉक्टर कृष्णा चौहान कृष्णा चौहान फाउंडेशन भी चलाते हैं और इसके अंतर्गत वो हर साल छह अवार्ड फंक्शन भी आयोजित करते हैं और समाज के सभी वर्गों के सम्मानित लोगों को सम्मानित भी करते हैं। इसके अलावा कृष्णा चौहान फिल्म निर्माता भी हैं।

उनके बैनर कृष्णा चौहान प्रोडक्शन के बैनर तले आत्मा डॉट कॉम नाम की एक फिल्म भी बन रही है और इस फिल्म की शूटिंग आने वाले महीनों में शुरू हो जाएगी।

अभी हाल ही में फिल्म आत्मा डॉट कॉम का मुहूर्त भी किया गया था और इसी मौके पर जिक्र तेरा नाम के एक एल्बम को भी कृष्णा चौहान ने रिलीज किया।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।